



राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर उबला सदन, कार्यवाही स्थगित

रायपुर। राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मुद्दे पर छत्तीसगढ़ विधानसभा पक्ष और विपक्ष के बीच नोक-झोंक हुई। मुद्दे पर भारी हंगामे के बीच सदन की कार्यवाही मंगलवार तक लिए स्थगित कर दी गई। सदन के बाहर नेता प्रतिपक्ष चरण दास महंत ने आज के दिन को छत्तीसगढ़ के इतिहास का काला दिन बताते हुए राम मंदिर चढ़ावा चोरी की जांच सीबीआई से कराने की मांग की।

स्थगन प्रस्ताव अग्राह्य होने के बाद विपक्ष के हंगामे के बाद सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी गई थी। दोबारा सदन की कार्यवाही शुरू होते ही फिर से सत्तापक्ष और विपक्ष ने तीखी नोक-जोख होने लगी। सदन में दोनों तरफ से जय श्री राम के नारे लगे। एक तरफ जहां कांग्रेस विधायकों 'पाकिट मारना बंद करो' नारे लगा रहे थे, तो वहीं दूसरे ओर सत्ता पक्ष के विधायक 'पाप धोने अगोध्या जाओ' कहकर विपक्ष पर तंज कस रहे थे। स्थिति को देखते हुए स्पीकर डॉ। रमन सिंह ने सदन की कार्यवाही मंगलवार तक के



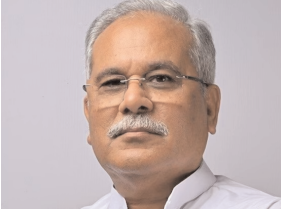
लिए स्थगित कर दी।

सदन की कार्यवाही स्थगित होने के बाद बाहर मीडिया से चर्चा करते हुए नेता-प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत ने कहा कि आज छत्तीसगढ़ विधानसभा में जो हुआ, वह करोड़ों राम भक्त के लिए काला दिन है। हमने राम मंदिर में हुई लूट पर चर्चा की मांग की थी। हम विपक्ष के साथी भक्तों की बात रखना चाहते थे, लेकिन हमें चर्चा की अनुमति नहीं दी गई। हर छत्तीसगढ़िया व्यक्ति का चंदा गया है। 1 रुपये लेकर लाखों रुपये का चंदा दिया गया। हम इस पर जाँच की मांग करते हैं। चंदा चोरी की जांच सीबीआई से होनी चाहिए।

पीएम ने मंदिर का शिलान्यास और प्राण प्रतिष्ठा किया तो चंदा चोरी पर उनको जवाब देना चाहिए: भूपेश बघेल

मानसून सत्र के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अयोध्या के राम मंदिर में हुई चंदा चोरी को लेकर केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। भूपेश बघेल ने कहा कि अयोध्या के राम मंदिर को जो भी दान मिला में उसमें बड़े पैमाने पर चोटाला किया गया। छत्तीसगढ़ विधानसभा में लाए गए कार्य स्थगन प्रस्ताव को भाजपा की विरोध के बाद चर्चा से बाहर कर दिया गया, जिसपर पूर्व सीएम नाराज हुए।

सदन में हुई चर्चा के बारे में जानकारी देते हुए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि अयोध्या में पैसों की डकैती हुई है। जिसपर बीजेपी के लोग कह रहे हैं छत्तीसगढ़ से इसका क्या संबंध है, जिसपर यहां चर्चा की जाए। बघेल ने कहा कि भगवान राम को भी इन लोगों नहीं छोड़ा। बघेल ने कहा



कि लोग ये कह रहे हैं कि हमने राम मंदिर में चंदा दिया है या नहीं दिया है। बघेल ने कहा कि हमने श्रीराम जन्म भूमि न्यास को चेक संख्या - 110443 से 12 फरवरी 2021 को 1 लाख 21 हजार चंदा दिया। भूपेश बघेल ने कहा ये वही लोग हैं जो गांव-गांव और घर-घर घूमकर शिला पूजन के नाम से पैसा जमा किए थे। राम मंदिर के नाम पर सब लोगों ने दान दिया, मैंने भी दान दिया। 10 करोड़ की जमीन को 18 करोड़ में खरीद गया। पीएम के द्वारा प्राण प्रतिष्ठा किया तो अब उसपर चर्चा क्यों

नहीं कर रहे हैं। प्रधानमंत्री सिर्फ विदेशों में घूम रहे हैं, छोटे-छोटे देशों में जा रहे हैं, लेकिन इस मुद्दे पर कुछ नहीं बोल रहे हैं।

भूपेश बघेल ने कहा, जिस तरीके से अयोध्या में हुआ है वह एक सुनियोजित चोरी है। जिस जमीन की खरीदारी की गई पहले उसके बारे में पैसे की राशि कुछ और बताई गई थी लेकिन अब पैसे की राशि कुछ और बताई जा रही है। इसमें एक बात तो साफ है अयोध्या में बड़े पैमाने पर लूट हुई है। जिन लोगों के नाम पर एफआईआर हुआ उनसे पूछताछ नहीं की गई। सीधा ज्यूडिशल कस्टडी में दे दिया गया। अयोध्या के ट्रस्ट को प्रधानमंत्री ने बनाया, उद्घाटन प्रधानमंत्री ने किया ध्वजारोहण प्रधानमंत्री ने किया, इस ट्रस्ट के मेंबर भी प्रधानमंत्री हैं।

स्थगन प्रस्ताव हुआ अग्राह्य

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र के पहले ही दिन कांग्रेस ने राम मंदिर चढ़ावा चोरी का मुद्दा उठाया। सदस्यों में मुद्दे पर तीखी बहस के बीच कांग्रेस ने स्थगन प्रस्ताव पेश किया, जिसे अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने अग्राह्य कर दिया। सदन में नेता प्रतिपक्ष डॉक्टर चरणदास महंत ने कहा कि छत्तीसगढ़ के तीन करोड़ रामभक्तों की आस्था के साथ छल हुआ है। इस पर भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने आपत्ति जताते हुए कहा कि यह विधानसभा का विषय नहीं है। इस पर महंत ने कहा कि 23 फरवरी



2024 को सदन में कृतज्ञता ज्ञापन पेश किया था। उस वक्त सदन की भावना जुड़ी थी। आज सत्तापक्ष इस विषय पर निंदा प्रस्ताव ले आए, हम समर्थन करेंगे। छत्तीसगढ़ के लोगों के पैसों की लूट पर चर्चा चाहते हैं। अजय चंद्राकर ने आपत्ति जताते हुए कहा कि किसने लूटा आप नाम बताइए। इस पर महंत ने कहा जिस त्रिलोकीनाथ की चर्चा स्वर्ग में होती है, जिस राम के नाम की चर्चा होती है, दुर्भाग्य है कि उनके नाम पर यहाँ चर्चा पर आपत्ति जताई जा रही है। संख्या के आधार पर सत्तापक्ष ने सदन में कृतज्ञता ज्ञापन लाकर अपनी भावना जाहिर की थी। तब बृजमोहन अग्रवाल सदस्य के रूप में इस प्रस्ताव को लेकर आए थे। उन्होंने कहा कि उस दिन आस्था, विश्वास, प्रेम और समर्पण की भावना दिखाई थी। आज हम राम को लेकर चर्चा चाहते हैं, तो आपत्ति हो रही है। हमने ईंट दिया है, पैसा दिया है। क्या हमारी आस्था नहीं जुड़ी है? अजय चंद्राकर ने कहा कि आपका कोषाध्यक्ष तीन साल से कहीं लापता था? तब खूब चंदा चकोरी हुई है। उस पर बात कर लीजिए। आप अयोध्या की बात कर रहे हैं। भाजपा विधायक धर्मजीत सिंह ने कहा कि आपकी पार्टी ने तो राम के अस्तित्व को नकार दिया है। उन्होंने कहा कि इतिहास में दर्ज है कि कभी-कभी शैतान भी बाइबिल पढ़ता है।

प्रदेश में पांच नए मेडिकल कॉलेजों में पढ़ाई इसी सत्र से

रायपुर। छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य शिक्षा के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। नेशनल मेडिकल कमीशन ने राज्य में पांच नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना को मंजूरी दे दी है। इन कॉलेजों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 से एमबीबीएस की पढ़ाई शुरू होगी। शुरुआती चरण में प्रत्येक मेडिकल कॉलेज के लिए 50-50 सीटों की अनुमति दी गई है। इस तरह प्रदेश को कुल 250 नई एमबीबीएस सीटों की सीमा मिलेगी। एनएमसी की मंजूरी के बाद गौदम, जांजगीर, मर्नेद्राढ़, जशपुर के कुनकुरी और कबीरधाम में नए मेडिकल कॉलेज स्थापित किए

जाएंगे। इससे प्रदेश में चिकित्सा शिक्षा के विस्तार के साथ-साथ दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं को भी मजबूती मिलने की उम्मीद है। पहली जांच में नहीं मिली थी मंजूरी जानकारी के अनुसार, शुरुआती चरण में एनएमसी की टीम ने निरीक्षण के बाद इन मेडिकल कॉलेजों की स्थापना को मंजूरी नहीं दी थी। इसके बाद राज्य सरकार ने एनएमसी के समक्ष अपील प्रस्तुत की थी। राज्य सरकार की अपील पर एनएमसी ने दोबारा निरीक्षण किया। आवश्यक मापदंडों और शर्तों को पूरा करने के बाद चिकित्सा मूल्यांकन एवं रेटिंग बोर्ड ने पांच



नए मेडिकल कॉलेजों को अनुमति पत्र जारी करने का निर्णय लिया। कबीरधाम मेडिकल कॉलेज को भी मिली अनुमति छत्तीसगढ़ के पंडित दीनदयाल उपाध्याय मेमोरियल स्वास्थ्य विज्ञान एवं आयुष विश्वविद्यालय के अंतर्गत सरकारी मेडिकल कॉलेज कबीरधाम की स्थापना के लिए भी एनएमसी से अनुमति मिल गई है। कबीरधाम मेडिकल कॉलेज में

शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए 50 एमबीबीएस सीटों पर प्रवेश दिया जाएगा। एनएमसी ने चिकित्सा संस्थानों की स्थापना, मूल्यांकन और रेटिंग विनियम 2023 तथा स्नातक चिकित्सा शिक्षा मानक विनियम 2023 के तहत आवेदन, निरीक्षण रिपोर्ट और अन्य दस्तावेजों की समीक्षा के बाद यह फैसला लिया है। एनएमसी ने जारी की जरूरी शर्तें एनएमसी ने मेडिकल कॉलेजों को मंजूरी देते हुए कई आवश्यक शर्तें भी निर्धारित की हैं। संस्थानों के राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग अधिनियम 2019 और उससे जुड़े सभी नियमों एवं दिशानिर्देशों का

पालन करना होगा। मेडिकल कॉलेजों को पूरे शैक्षणिक वर्ष के दौरान आवश्यक बुनियादी ढांचा, अस्पताल सुविधाएं, शिक्षण संकाय, मानव संसाधन, उपकरण और अन्य निर्धारित मानकों को बनाए रखना होगा। अस्पताल और सुरक्षा मानकों का करना होगा पालन एनएमसी के अनुसार, मेडिकल कॉलेज और उससे जुड़े शिक्षण अस्पतालों को भवन सुरक्षा, अग्नि सुरक्षा, प्रदूषण नियंत्रण, पर्यावरण संरक्षण, जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन, राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग अधिनियम 2019 और उससे जुड़े सभी नियमों का पालन करना होगा।



रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज शाम राजधानी रायपुर स्थित बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने व्यास पीठ पर विराजमान श्री देवकीनंदन ठाकुर जी महाराज द्वारा वाचन की राह श्रीमद्भागवत कथा का श्रद्धापूर्वक श्रवण किया तथा श्रीमद्भागवत जी का विधि-विधान एवं भक्तिभाव के साथ आरती-वंदन किया।

सरकार ने 19 जुलाई को बुलाई सर्वदलीय बैठक

नई दिल्ली। सरकार ने संसद के मॉनसून सत्र की शुरुआत से एक दिन पहले, 19 जुलाई को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। इस बैठक में सरकार अपने विधायी एजेंडे की रूपरेखा पेश कर सकती है, जबकि विपक्षी दल उन मुद्दों को रख सकते हैं जिन्हें वे सत्र के दौरान उठाना चाहते हैं। मानसून सत्र के हंगामेदार रहने की उम्मीद है क्योंकि सरकार अहम संवैधानिक संशोधन बिल पेश कर सकती है। इनमें 130वां संविधान संशोधन बिल भी शामिल है, जिसके तहत आर प्रधानमंत्री, मंत्री या मुख्यमंत्री हिरासत में लिए जाने के बाद खुद पद नहीं छोड़ते हैं, तो उन्हें हिरासत के 31वें दिन अपने-आप पद से हटा दिया जाएगा। 130वें संविधान संशोधन बिल की जांच कर रही संयुक्त संसदीय समिति के 17 जुलाई को संसद में अपनी रिपोर्ट सौंपने से पहले उसे मंजूरी देने की उम्मीद है। सूत्रों के मुताबिक, समिति ने सुझाव दिया है कि अगर प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों को गंभीर अपराधों के आरोप में लगातार 30 दिनों तक हिरासत में रखा जाता है।



निशिकांत दुबे ने बंटवारे पर नेहरू को ठहराया दोषी

नई दिल्ली। बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने 13 जुलाई को कांग्रेस पार्टी की कड़ी आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में बंटवारे के दौरान ऐसे फैसले लिए गए जिनका भारत पर लंबे समय तक बुरा असर पड़ा। एक्स पर एक पोस्ट में, दुबे ने 13 जुलाई, 1947 को कांग्रेस के इतिहास का काला अध्याय बताया और दावा किया कि नेहरू ने लेडी एडविना माउंटबेटन के दबाव में भारत के बंटवारे को स्वीकार किया था। उन्होंने लिखा कि कांग्रेस का काला अध्याय। 13 जुलाई, 1947 को लेडी एडविना माउंटबेटन के दबाव में नेहरू जी ने महात्मा गांधी जी के विचारों को छोड़ दिया और भारत के बंटवारे को स्वीकार कर लिया। दुबे ने आरोप लगाया कि बंगाल और पंजाब के लिए बनाई गई सीमा समितियों के कारण कई रणनीतिक और सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण इलाके हाथ से निकल गए। उन्होंने कहा कि 30 जून 1947 को लॉर्ड माउंटबेटन ने बंगाल और पंजाब के बंटवारे के लिए रैडक्लिफ की अध्यक्षता में एक समिति बनाने का फैसला किया।



विधायकों की खरीद-फरोख्त के आरोपों पर भाजपा सख्त

श्रीनगर। भारतीय जनता पार्टी की जम्मू-कश्मीर इकाई ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को एक कानूनी नोटिस भेजकर उनके उस दावे पर जवाब मांगा है, जिसमें उन्होंने भाजपा पर नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायकों को पैसे और मंत्री पद का लालच देने का आरोप लगाया था। भाजपा ने उमर अब्दुल्ला के इन बयानों को पूरी तरह से झूठा, बेबुनियाद और मानहानिकारक बताया है। पार्टी ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि वे सात दिनों के भीतर अपने इन आरोपों को लिखित रूप में वापस लें और बिना शर्त सार्वजनिक रूप से माफी मांगें। भाजपा की ओर से यह चेतावनी भी दी गई है कि यदि मुख्यमंत्री इन मांगों को पूरा नहीं करते हैं, तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की जाएगी। दक्षिण-एशियाई और प्रवासी गौरतलब है कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पिछले सप्ताह हजरतबल में नेशनल कॉन्फ्रेंस के कार्यक्रमताओं के सामने दावा किया था कि भाजपा उनकी सरकार गिराने के लिए पार्टी में फूट डालने की कोशिश कर रही है।



भाजपा ने प्रियंका गांधी पर साधा निशाना

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस नेतृत्व पर आरोप लगाया कि हाल ही में हुए भूखलन की त्रासदी के बाद वायनाड की अनदेखी की गई। पार्टी ने यह भी आरोप लगाया कि इस निर्वाचन क्षेत्र को पार्टी के प्रथम परिवार के लिए एक राजनीतिक मोहरा बना दिया गया है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सीआर केशवन ने वायनाड की सांसद प्रियंका गांधी वाड़ा पर निशाना साधा। उन्होंने केरल के वायनाड जिले में अनाकम्पोजिल-मेप्पाडी ट्विन-ट्यूब टनल प्रोजेक्ट साइट पर 7 जुलाई को हुए भूखलन के बाद प्रियंका गांधी के निर्वाचन क्षेत्र में न आने पर सवाल उठाए। एक्स (पहले ट्विटर) पर पोस्ट करते हुए एड्रकेशवन ने कहा कि प्रियंका गांधी न तो प्रभावित इलाके में गईं और न ही आपदा में मारे गए लोगों के परिवारों से मिलीं। उन्होंने आरोप लगाया कि सोशल मीडिया पर पोस्ट करने के अलावा, उन्होंने पीड़ितों या उनके रिश्तेदारों की कोई मदद नहीं की। प्रियंका गांधी पर अपने संसदीय क्षेत्र की अनदेखी करने का आरोप लगाया।



भाजपा राज्यसभा में बहुमत के करीब, बदलेगी तस्वीर!

नई दिल्ली। राज्यसभा में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए की संख्या में बड़ी बढ़ोतरी होने वाली है। सत्ताधारी पार्टी राजनीतिक रूप से अहम मौनसून सत्र से पहले अपनी स्थिति मजबूत करने की तैयारी में है। इस सत्र में केंद्र सरकार परिसीमन, महिला आरक्षण और संभवतः एक साथ चुनाव कराने जैसे बड़े विधायी सुधारों से जुड़े बिल पेश कर सकती है। संख्या में यह तत्काल बढ़ोतरी पश्चिम बंगाल से होगी। वहां 24 जुलाई को राज्यसभा की तीन सीटों के लिए उपचुनाव होने हैं और भाजपा के इन तीनों सीटों पर जीतने की उम्मीद है। ये सीटें तुणमूल कांग्रेस के तीन पूर्व सांसदों के इस्तीफे के बाद खाली हुई थीं, जो बाद में भाजपा में शामिल हो गए। पश्चिम बंगाल में अब भाजपा सत्ता में है, इसलिए विधानसभा में पार्टी के पास इतनी संख्या है कि वह आसानी से तीनों सीटें जीत सकती है और उसे किसी बड़ी चुनौती का सामना नहीं करना पड़ेगा। इन तीन सदस्यों के उच्च सदन में पहुँचने के बाद, राज्यसभा में भाजपा की संख्या बढ़कर 117 हो जाएगी, जो अब तक की सबसे ज्यादा संख्या होगी। एनडीए की कुल संख्या बढ़कर 152 हो जाएगी। इन संख्या के हिसाब से, राज्यसभा की मौजूदा प्रभावी संख्या में साधारण बहुमत के लिए जरूरी 123 सीटों से ऋद्धकसिर्फ छह सीटें पीछे है।

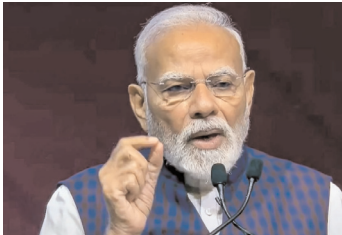
प्रधानमंत्री मोदी के भारत के विज्ञान को बुनता टेक्स 2026

पवित्रा मार्गेरिटा

कश्मीरी पश्मीना की नरम गर्माहट से लेकर असम के मूंगा सिल्क की शानदार चमक तक, राजस्थानी बांधनी के जीवंत ज्यामितीय पैटर्न से लेकर कांजीवरम सिल्क की सदाबहार और बेहतरीन बनावट तक, भारत की भौगोलिक और सांस्कृतिक विविधता धागों से बुना एक जीता-जागता नक्शा है। आज, सभ्यता की यह बेमिसाल तस्वीर एक ही छत के नीचे एक साथ नज़र आ रही है। नई दिल्ली के प्रसिद्ध भारत मंडप में 14 से 17 जुलाई तक भारत टेक्स 2026 का आयोजन, हमारे देश की खूबसूरत विविधता को एक ही मंच पर ला रहा है। वस्त्र उद्योग सिर्फ हमारी विरासत की झलक नहीं है, यह भारत के मैक्रो-इकोनॉमिक ढांचे की एक मजबूत नींव भी है। यह क्षेत्र

लगातार विकास और समानता का एक बहुत बड़ा इंजन बना हुआ है, जो जीडीपी में 2.3%, औद्योगिक उत्पादन में 13% और निर्यात में 8.6% का योगदान देता है। कृषि के बाद भारत में सबसे ज्यादा रोजगार देने वाला यह क्षेत्र 100 मिलियन से ज्यादा लोगों की आजीविका का साधन है, जो ग्रामीण समुदायों को मजबूत बनाता है और देश भर में लाखों महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाता है। आर्थिक शक्ति के इस केंद्र को सही मायने में समझने के लिए भारत टेक्स का अनुभव करना बेहद जरूरी है। यह वैश्विक स्तर पर प्रमुख भारतीय वस्त्रों का व्यापार मेला है, जिसे पूरी दुनिया के सामने हमारे निर्माण और रचनात्मकता की क्षमता का दबदबा दिखाने के लिए तैयार किया गया है। यह एक ऐसा व्यापक

बाज़ार है, जहाँ घरेलू निर्माणकर्ता, राज्यों के पवेलियन, अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शक और वैश्विक खरीदार एक ही छत के नीचे होते हैं। इससे बड़े पैमाने पर सोर्सिंग, कॉर्पोरेट जुड़ाव और ब्रांड को प्रदर्शित करने के अवसर भी मिलते हैं। इस शानदार पहल के सफर पर नज़र डालें तो मुझे भारत टेक्स के पिछले दो आयोजनों से बेहद गर्व की अनुभूति का स्मरण होता है। जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत टेक्स के पिछले संस्करण के दौरान संपूर्ण वस्त्र समुदाय को संबोधित किया था, तो उन्होंने बेहद खूबसूरती से कहा था कि हमने जो बीज बोया था, वह अब तेज़ी से बरगद के पेड़ का रूप ले रहा है। उन्होंने कहा कि यह भव्य आयोजन न केवल हमारी समृद्ध परंपराओं का जश्न मनाता है, बल्कि एक विकसित भारत की अपार



संभावनाओं को भी उजागर करता है। पहले दो आयोजनों की जबरदस्त सफलता ने एक मजबूत नींव रखी, बड़ी संख्या में अंतरराष्ट्रीय खरीदारों को आकर्षित किया और सहयोग की दिशा में भी तेज़ी देखने को मिली। भारत टेक्स 2025 के दौरान मेरे व्यक्तिगत अनुभव ने भविष्य के लिए एक बहुत ही सकारात्मक नज़रिया हासिल किया, जहाँ मैंने सरकार से सरकार और व्यापार से सरकार के बीच गहन बातचीत को

ठोस नतीजों में बदलते देखा और इसी के चलते भारत की कार्य क्षमता में बढ़ते वैश्विक भरोसे की झलक भी दिखी। यह तीसरा आयोजन उस रफ्तार को और आगे ले जाता है और शुरुआती संभावनाओं को पूरी तरह से औद्योगिक प्रभाव में बदलता है। इस साल के कार्यक्रम का बहुत बड़ा पैमाना एक सोची-समझी औद्योगिक रणनीति में दर्शाता है। भारत मंडप में खास प्रदर्शनी हॉलों में फैली यह प्रदर्शनी भारत की पूरी वस्त्र मूल्य श्रृंखला को दिखाती है, जिसमें फाइबर, यार्न, फैब्रिक, कपड़े और फैशन, होम टेक्सटाइल, तकनीकी वस्त्र और सहायक उद्योग शामिल हैं। इसमें 1,600 से ज्यादा प्रदर्शक हिस्सा ले रहे हैं, जो स्थानीय उत्पादन की ताकत को सीधे वैश्विक मंच पर पेश करेंगे। यह

प्रधानमंत्री मोदी के क्रांतिकारी 5एफ विज़न- फार्म (खेत) से फाइबर से फैक्ट्री से फैशन से फॉरिन (विदेश) तक के सफर को दर्शाता है। पूरी मूल्य श्रृंखला को एक ही औद्योगिक श्रृंखला में जोड़कर, यह कार्यक्रम विनिर्माण के हर चरण को देश में ही संभालने की भारत की आत्मनिर्भर क्षमता को दिखाता है।

इस पहल को दुनिया भर से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। इस संस्करण में अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, जापान, पुर्तगाल, स्पेन, न्यूजीलैंड, दक्षिण कोरिया, दक्षिण अफ्रीका और नेपाल समेत 14 देशों के अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शक शामिल हैं, साथ ही, संयुक्त राष्ट्र और यूरोपीय संघ का भी मजबूत संस्थागत प्रतिनिधित्व है। कई देशों के मंत्री-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल

और बड़े व्यापारिक प्रतिनिधि दीर्घकालीन साझेदारी की संभावना तलाशने के लिए इसमें हिस्सा ले रहे हैं। उम्मीद है कि चार दिनों में 110 से ज्यादा पंजीकृत देशों से 7,000 से ज्यादा खरीदार और 1.3 लाख व्यापारिक आगंतुक आएंगे, जो वहां दिखाए जा रहे 20,000 से ज्यादा वस्त्र उत्पादों को देखेंगे। इस व्यावसायिक गतिविधि में 3,500 से ज्यादा खास तौर पर आयोजित बिज़नेस टू बिज़नेस बैठकें होंगी। इसके अलावा, राज्य निवेशक संपर्क सत्र भी होंगे, जो अलग- अलग भारतीय राज्यों को अपने ख़ास औद्योगिक ढांचे को पेश करने से मंच प्रदान करेंगे। उद्योगों को आगे बढ़ाने हेतु वास्तविक नेतृत्व के लिए ज्ञान और भविष्य की योजना के प्रति गहरी प्रतिबद्धता की ज़रूरत होती है।



एसपी ऑफिस वेतन घोटाला: 3.40 करोड़ की वित्तीय गड़बड़ी आई सामने

जगदलपुर। जगदलपुर में पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जुड़ा वेतन घोटाला अब सिर्फ एक गड़बड़ी नहीं, बल्कि बड़ा आर्थिक अपराध बनता जा रहा है। जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ रही है, वैसे-वैसे इस घोटाले की परतें खुलती जा रही हैं और रकम भी लगातार बढ़ती नजर आ रही है।

शुरुआती जांच में साल 2023 से 2026 के बीच करीब 2 करोड़ रुपए के घोटाले का अनुमान लगाया गया था, लेकिन अब ताजा खुलासे में यह आंकड़ा बढ़कर 3 करोड़ 40 लाख रुपए तक पहुंच चुका है। इससे साफ है कि मामला जितना दिख रहा था, उससे

कहीं ज्यादा गहरा है। जांच में सामने आया है कि एसपी ऑफिस के अकाउंट सेक्शन में पदस्थ एक बाबू ने दो अन्य लोगों के साथ मिलकर इस पूरे फर्जीवाड़े को अंजाम दिया है। सैलरी नोटशीट की हार्ड कॉपी में छेड़छाड़ कर रकम का हेर-फेर किया गया, लंबे समय तक यह खेल चलाता रहा। मामले में तीनों आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जा चुकी है और उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है। हालांकि आज ताजा खुलासे का मानना है कि घोटाले की असली रकम अभी और बढ़ सकती है, क्योंकि दस्तावेजों की गहन जांच जारी है।

उब की पुलिस द्वारा केस की फाइल व जल माल को मिला क्यूआर कोड

कांकेर। आधुनिक और डिजिटल होती दुनिया बदलाव की ओर बढ़ रही है। इंटरनेट, एआई और मोबाइल क्रांति ने लोगों तक पहुंच आसान कर दी है। कार्य पारदर्शी हो रहे है। जिसे अपनाकर उत्तर बस्तर की पुलिस भी हाईटेक होने लगी है। कांकेर पुलिस ने थाने में दर्ज विभिन्न प्रकरणों के दस्तवेजो और भारी मात्रा में जब्त किए गए सामानों को सुरक्षित, पारदर्शी और जवाबदेही बनाने यूनिक डिजिटल पहचान दी है। जिसे एक क्यूआर कोड से स्कैन कर पहचान की जा सकती है। कांकेर पुलिस ने अपराध अनुसंधान और आधुनिकीकरण की दिशा में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। पुलिस ने क्यूआर कोड आधारित (डिजिटल ट्रैकिंग प्रबंधन प्रणाली) की शुरुआत की है। वर्षों पुरानी फाइलों और धूल व दीमक खाती केस प्रॉपर्टी के

रख-रखाव की पारंपरिक व्यवस्था पूरी तरह बदल देगी। कांकेर के पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा का कहना है कि यह पूरी प्रक्रिया पेपरलेस वर्क है। जिससे पारदर्शिता और कोर्ड ट्रायल में तेजी आएगी, अब एक बारकोर्ड स्कैन करके डिजिटल सिस्टम पूरे रिकॉर्ड की जानकारी देदेगा,जो रिकॉर्ड को ऑनलाइन और पेपरलेस बनाकर पुलिस का समय बचाकर कानूनी प्रक्रिया में तेजी लाएगा। अपराधों में सामान जबती के इलेक्ट्रिक रिकॉर्ड रखने के लिए बनाया गया है। मालखाने से कोर्ट में जब माल या केस डायरी जाती है तो इसका उपयोग होगा। कोई भी माल खोने की गुंजाइश नहीं रहेगी। चैन ऑफ कस्टडी भी अच्छी रहेगी – निखिल राखेचा, कांकेर पुलिस अधीक्षक आमतौर पर थाने में जब्त मामले से जुड़े सामानों की काफी मात्रा होती है।

शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सर्वोच्च प्राथमिकता : कलेक्टर विजय दयाराम

गौरे ला-पेंड्रा-मरवाही।

जिले के नवपदस्थ कलेक्टर विजय दयाराम के ने आज कलेक्ट्रेट के अरपा सभा कक्ष में जिला स्तरीय अधिकारियों की परिचयात्मक बैठक लेकर शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं के प्रभावी एवं पारदर्शी क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समय पर समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

इसके लिए सभी अधिकारी समन्वय, संवेदनशीलता एवं जवाबदेही के साथ कार्य करें। उन्होंने सभी अधिकारियों से परिचय प्राप्त किया तथा विभागवार कार्यों की संक्षिप्त



जानकारी ली। उन्होंने सीएम हेलपलाइन में प्राप्त शिकायतों का निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि शिकायतों के निराकरण के बाद आवेदकों से फीडबैक भी आवश्यक रूप से प्राप्त किया जाए, ताकि आमजन का प्रशासन पर विश्वास और अधिक मजबूत हो। कलेक्टर ने सभी कार्यालयों में ई-ऑफिस प्रणाली के माध्यम से फाइलों एवं नस्तिर्यों का

संचालन सुनिश्चित करने तथा आधार आधारित बायोमेट्रिक उपस्थिति का शत-प्रतिशत पालन करने के निर्देश दिए।

उन्होंने प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता, समयबद्धता एवं दक्षता बढ़ाने के लिए डिजिटल प्रणाली के प्रभावी उपयोग पर विशेष बल दिया।

उन्होंने शाला प्रवेश उत्सव, विद्यार्थियों को पाठ्यपुस्तकों एवं गणवेश वितरण की प्रगति की समीक्षा करते हुए सभी पात्र विद्यार्थियों तक समय पर सामग्री उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही आईटीआई एवं पॉलिटेक्निक संस्थानों में प्रवेश प्रक्रिया तथा कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी लेते हुए युवाओं को अधिकाधिक

लाभान्वित करने के लिए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने को कहा।

कलेक्टर ने नव निर्मित कम्पोजिट बिल्डिंग में विभिन्न विभागों के लिए कक्ष आवंटन की प्रक्रिया को शीघ्र एवं सुव्यवस्थित ढंग से पूर्ण करने के भी निर्देश दिए, ताकि सभी विभाग एकीकृत परिसर से बेहतर समन्वय के साथ कार्य कर सकें।

बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मुकेश रावटे, अपर कलेक्टर दिलेराम डाहिरे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अविनाश मिश्रा, एसडीएम पेंड्रारोड श्री अमित बेग, एसडीएम मरवाही सुश्री निभाता मरकाम सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

मुश्किलों में अपोलो अस्पताल : केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री नड्डा से हुई शिकायत

तोखन साहू ने नियमों के उल्लंघन को लेकर लिखा पत्र

लोरमी। बिलासपुर के प्रतिष्ठित अपोलो अस्पताल की मुश्किलें बढ़ते जा रही हैं। स्वास्थ्य विभाग की अस्पताल में छापेमार कार्रवाई के बाद अब केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा को पत्र लिखा है। उन्होंने पत्र में अपोलो अस्पताल की नियमों के उल्लंघन और सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं देने की शिकायत की है।



आर्थिक दिकतों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री से कड़े निर्देश जारी करने की मांग की है। रायपुर और बिलासपुर से स्वास्थ्य अधिकारी-कर्मचारियों की संयुक्त टीम ने 11 जुलाई को बिलासपुर के अपोलो अस्पताल में जांच के लिए पहुंची थी। कार्रवाई के दौरान अस्पताल में मरीजों के इलाज से जुड़े दस्तावेज, भर्ती और उपचार के सप्रिया, चिकित्सा रिकॉर्ड के साथ-साथ अस्पताल के आय-व्यय का भी बारीकी से परीक्षण किया गया। अपोलो अस्पताल में भर्ती एक गंभीर मरीज को हैदराबाद रेफर करने की प्रक्रिया के दौरान अस्पताल प्रबंधन पर कथित लापरवाही के गंभीर आरोप लगे हैं। मरीज के परिजनों

का दावा है कि समय पर समुचित चिकित्सा समन्वय नहीं होने के कारण एयर एंबुलेंस उपलब्ध होने के बावजूद मरीज को उसी दिन हैदराबाद नहीं भेजा जा सका। इससे मरीज की हालत और गंभीर हुई। पीडब्ल्यूडी विभाग में कार्यरत राजकुमार अग्रवाल लगभग 12 दिन पहले दोस्तों के साथ कोलकाता घूमने गए थे। यात्रा के दौरान उनकी तबीयत खराब होने लगी। बिलासपुर लौटने के बाद उन्होंने स्थानीय चिकित्सकों से इलाज कराया, लेकिन हालत में अपेक्षित सुधार नहीं होने पर उन्हें अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया। बुधवार दोपहर डाक्टरों ने बेहतर उपचार के लिए उन्हें हायर सेंटर रेफर करने की सलाह दी।

छत्तीसगढ़
प्रमुख समाचार

दुलर्भ जीव शल्कधारी पेंगोलिन कोटगुड़िन मंदिर में मिला

नारायणपुर। पेंगोलिन की तस्करी बड़े पैमाने पर होने की वजह से ये जीव दुर्लभ जीवों की श्रेणी में गिना जाने लगा है। सोमवार को घने जंगलों से भटकता हुआ एक दुर्भल पेंगोलिन बखरुपारा के कोटगुड़िन मंदिर परिसर में जा पहुंचा। लोगों ने जब इस शमीले जीव को मंदिर परिसर में देखा तो वो घबरा गए। बाद में दूसरे लोगों ने बताया कि ये काफी शमीला जीव होता है और लोगों को नुकसान भी नहीं पहुंचाता। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और उसने पेंगोलिन को वहां से सुरक्षित रेस्क्यू किया। वन विभाग की टीम ने सभी जरूरी प्रक्रिया पूरी करने के बाद पेंगोलिन को वापस जंगल में सुरक्षित छोड़ दिया। वन विभाग की टीम ने भी लोगों को बताया कि रेयर पाया जाने वाला यह पेंगोलिन है, जो ज्यादातर घने जंगलों में ही पाया जाता है। कई बार भटककर रिहायशी इलाके तक पहुंच जाता है। वन विभाग ने अपील की वो किसी भी जंगली जीव को नुकसान नहीं पहुंचाएं। अगर कोई जंगली जीव रिहायशी इलाके में आ जाता है।

शराब पीने से रोकने पर युवक पर रॉड, ईट से हमला

कोरबा। कोरबा के सीएसईबी चौकी क्षेत्र के पंप हाउस बस्ती में शराब पीने का विरोध करना एक परिवार को भारी पड़ गया। 10 से 12 युवकों ने घर के पास बैठकर शराब पी रहे थे। विरोध करने पर आरोपियों ने मकान मालिक पर रॉड, ईट और पत्थर से हमला कर दिया। सिर में गंभीर चोट आने से पीड़ित लहलुहान हो गया। देर रात खून से सने हाल में पीड़ित सीएसईबी चौकी पहुंचा। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, योगेश श्रीवास अपने परिवार के साथ पंप हाउस बस्ती में निवास करता है। देर रात पड़ोस में रहने वाले कुछ युवक उसके घर के पास 10 से 12 की संख्या में बैठकर शराब पी रहे थे। जब युवकों को वहां शराब न पीने और शोर न मचाने को बोला तो बात बिगड़ गई। शराब के नशे में धुत युवकों को योगेश का विरोध नागवार गुजरा। देखते ही देखते सभी ने योगेश पर हमला बोल दिया। आरोपियों ने पास में पड़े रॉड, ईट और पत्थर उठाकर योगेश के सिर और शरीर पर ताबड़तोड़ वार किए।

बाल संप्रेक्षण गृह में चौकीदार की हत्या: 4 नाबालिग फरार

बिलासपुर। बिलासपुर जिले में बाल संप्रेक्षण गृह के पदस्थ सुरक्षा गार्ड की हत्या की सनसनीखेज वारदात सामने आई है। सोमवार सुबह शव मिलने से पूरे परिसर में हड़कंप गया है। मृतक की पहचान तखतपुर के अरुईवंद निवासी नरेंद्र कुमार खांडे के रूप में हुई है। प्रारंभिक तौर पर वारदात में चार नाबालिगों के शामिल होने का आरोप है, जो फिलहाल फरार हैं। जानकारी के मुताबिक, वारदात में शामिल चारों नाबालिगों ने पहले चौकीदार के शांमल पिता की, फिर हाथ-पैर बांधकर गला दबा दिया और मुंह में गमछा ठूस दिया। इसके बाद सभी मौके से फरार हो गए। मृतक पिछले एक साल से चौकीदार के रूप में कार्यरत था। घटना की सूचना के बाद सरकड़ा पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए रवाना कर दिया गया है। वहीं मृतक के परिजन खबर मिलने पर बाल संप्रेक्षण गृह पहुंचे। मृतक के परिजनों का आरोप है कि नरेंद्र कुमार खांडे को सप्ताहिक छुट्टी नहीं दी जाती है। सिंह सर और अधीक्षक मैडम ने मर्ड करवाया है।

ढाबे में चाकू की नोक पर लूट तीन बदमाश गिरफ्तार

बिलासपुर। बिलासपुर में अपराधियों के हौंसले बुलंद है। रतनपुर में नेशनल हाइवे स्थित गहलोट ढाबे में आधी रात चाकू की नोक पर लूट की वारदात हुई। बदमाशों ने जान से मारने की धमकी देकर पैसे लूट लिए। इस बीच कर्मचारी के बीच बचाव करने पर उसे डंडे, पाइप और मुक्कों से जमकर पीटा और फरार हो गए। पूरा मामला रतनपुर थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, नेशनल हाईवे स्थित नवापारा में गहलोट ढाबा में देर रात तीन युवक पहुंचे। उन्होंने शराब की मांग की, लेकिन मना करने पर विवाद शुरू हो गया। इस बीच आरोपियों ने चाकू निकालकर धमकाया। बीच-बचाव करने पहुंचे कर्मचारी विजेन्द्र कमल के साथ भी आरोपियों ने हाथ-मुक्कों, स्टील पाइप और डंडे से मारपीट की। इसके बाद तीनों आरोपी ढाबे के गल्ले से 4,500 रुपए लूटकर फरार हो गए। घटना की सूचना के बाद एसएसपी रजनेश सिंह ने तत्काल गिरफ्तारी के निर्देश दिए। थाना प्रभारी निलेश पाण्डेय ने रात में ही टीम के साथ की कार्रवाई शुरू की।

चंद्र मौलेश्वर महादेव मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन बीजापुर।

जिले के महेड स्थित नव-निर्मित चंद्र मौलेश्वर महादेव मंदिर में आयोजित सात दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और वैदिक परंपराओं के बीच संपन्न हुआ। प्रतिदिन रुद्राभिषेक, हवन, पूजन, धार्मिक अनुष्ठान और भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया। अंतिम दिन हवन की पूर्णाहुति के साथ महोत्सव का विधिवत समापन हुआ। महोत्सव की विशेषता यह रही कि बिलासपुर, उज्जैन, रीवा और कर्नाटक से आए 11 विद्वान आचार्यों ने वैदिक मंत्रोच्चार एवं शास्त्रीक विधि-विधान के साथ भगवान भोलेनाथ की प्राण प्रतिष्ठा कराई। आचार्यों के मार्गदर्शन में सभी धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए, जिनमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर पुण्य लाभ प्राप्त किया। प्राण प्रतिष्ठा के पश्चात श्रद्धालुओं ने नव-स्थापित चंद्र मौलेश्वर महादेव के दर्शन कर प्रियार, समाज और क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। 10 जुलाई को विशाल महाभंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

नौगई तिहरा हत्याकांड : अब सीबीआई ने संभाला मोर्चा

बैकुंठपुर। छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले के चर्चित नौगई तिहरा हत्याकांड की जांच के लिए केंद्रीय जांच ब्यूरो (एडव्ही) की पांच सदस्यीय टीम आज मौके पर पहुंच गई है। यह टीम चरचा स्थित पंचवटी रेस्ट हाउस में रुकी हुई है और मामले से जुड़े हर पहलू को बारीकी से खंगाल रही है।

जानकारी के अनुसार, सीबीआई की टीम ने सीधे घटनास्थल का रुख कर वहां का बारीकी से निरीक्षण शुरू कर दिया है। टीम इस मामले से जुड़े पुलिस के दस्तावेजों और साक्ष्यों की जांच कर रही है। इसके साथ ही संबंधित अधिकारियों और अन्य पक्षों से भी पूछताछ की जा

जांच के लिए पहुंची पांच सदस्यीय टीम



रही है। गौरतलब है कि बीते 16 जून को सोनहत के नौगई गांव में यह दिल दहला देने वाला तिहरा हत्याकांड हुआ था। मामले की गंभीरता को देखते हुए छत्तीसगढ़

सरकार ने 30 जून को इस केस की जांच सीबीआई से कराने की सिफारिश की थी। पुलिस इस मामले में अब तक 12 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। टीम

अपनी शुरुआती जांच और पूछताछ पूरी करने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई तय करेगी। भौगोलिकसंदर्भ

बता दें कि कोरिया जिले के ग्राम कटगोड़ी में 16-17 जून की दरम्यानी रात यह सनसनीखेज घटना हुई थी। भाजपा नेता भरत सिंह गहरवार उर्फ लक्छा सिंह अपने साथियों के साथ फॉर्च्यूनर वाहन में सवार थे। आरोप है कि हमलावरों ने पुराने विवाद को सुलझाने के बहाने तीनों को बुलाया और उन पर हमला कर दिया। इसके बाद आरोपियों ने उनकी फॉर्च्यूनर गाड़ी को घेरकर उसमें पेट्रोल डालकर आग लगा दी। इस घटना में भरत सिंह गहरवार की मौके पर ही मौत हो

गई, जबकि उनके दो साथी वीरेंद्र सिंह उर्फ वीरू और नागेंद्र सिंह ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

मामले में कार्रवाई करते हुए कोरिया पुलिस ने तिहरे हत्याकांड के सभी 9 आरोपियों मनोज त्रिपाठी, अमन त्रिपाठी, आशुतोष त्रिपाठी, निशांत त्रिपाठी, अक्षय त्रिपाठी, विशाल त्रिपाठी, सत्यप्रकाश त्रिपाठी और मनू त्रिपाठी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि दोनों पक्षों को बीच रेत उखनन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। इसी रंजिश के चलते आरोपियों ने कथित तौर पर सुलह के बहाने बुलाकर वारदात को अंजाम दिया।

आईजी ने पुलिस अधीक्षकों की बैठक लेकर की कानून व्यवस्था की समीक्षा

राजनांदगांव। राजनांदगांव पुलिस रेंज में प्रशासनिक बदलाव देखने को मिला, जब नये आईजी ने पदभार ग्रहण किया। भारतीय पुलिस सेवा के वरिष्ठ अधिकारी अजय यादव ने सोमवार की सुबह राजनांदगांव रेंज के नए पुलिस महानिरीक्षक के रूप में अपना पदभार ग्रहण कर लिया। पदभार संभालते ही उन्होंने क्षेत्र के पुलिस अधीक्षकों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की और कानून व्यवस्था की समीक्षा की। राजनांदगांव, खैरागढ़ और मानपुर-मोहला जिलों को मिलाकर बनी इस रेंज की कमान अब आईजी अजय यादव के हाथों में है। कार्यभार संभालते ही उन्होंने साफ कर दिया है कि पुलिस का मुख्य फोकस बेसिक पुलिसिंग पर रहेगा। अपराधों के अनुसंधान,



अपराधियों की धरपकड़ और अवैध गतिविधियों जैसे कि अवैध शराब, सट्टा और जुए पर लगाम कसना उनकी मुख्य प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पुलिस प्रशासन में किसी भी प्रकार की मिलीभगत को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आने वाले दिनों में वे स्वयं जिलों का दौरा कर कानून व्यवस्था को और मजबूत करेंगे।



हुए कहा कि धमतरी पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता आमजन की सुरक्षा, कानून-व्यवस्था बनाए रखना, अपराधों पर त्वरित एवं प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना, पीड़ितों को समयबद्ध न्याय दिलाना तथा जनता और पुलिस के बीच विश्वास एवं संवाद को और अधिक सशक्त बनाना होगा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक अधिकारी एवं कर्मचारी अनुशासन, पारदर्शिता, जवाबदेही, संवेदनशीलता एवं सेवा भाव के साथ कार्य करते हुए पुलिस विभाग की गरिमा एवं आमजन के विश्वास को और अधिक मजबूत बनाएं। पदभार ग्रहण करने के उपरांत पुलिस अधीक्षक भावना पांडेय ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय की विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने शाखा प्रभारियों एवं अधिकारी-कर्मचारियों से रूबरू होकर परिचय प्राप्त किया तथा शाखाओं की कार्यप्रणाली, लंबित प्रकरणों, अभिलेखों, कार्यालयीन व्यवस्थाओं एवं दैनंदिन कार्यों की

विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने लंबित प्रकरणों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण, अभिलेखों के सुव्यवस्थित संभारण, समयबद्ध कार्य निष्पादन तथा कार्यालयीन अनुशासन बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि आमजन की शिकायतों एवं समस्याओं का संवेदनशीलता, पारदर्शिता एवं त्वरित कार्यवाही के साथ निराकरण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही जनसहभागिता आधारित पुलिसिंग को और अधिक प्रभावी बनाते हुए नागरिकों के साथ सतत संवाद एवं विश्वास कायम रखने पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि टीमवर्क, ईमानदारी, उत्तरदायित्व एवं समर्पण ही धमतरी पुलिस की सबसे बड़ी शक्ति है और इसी भावना के साथ कार्य करते हुए जिले में शांति, सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाया जाएगा। पुलिस अधीक्षक ने विश्वास व्यक्त किया कि धमतरी पुलिस एवं कानून-अधिकारी एवं कर्मचारी अपनी कर्तव्यनिष्ठा, कार्यकुशलता एवं समर्पण के बल पर आमजन की अपेक्षाओं पर खरा उतरेगा तथा जिले में उत्कृष्ट, पारदर्शी एवं जनविश्वास आधारित पुलिसिंग की दिशा में नई ऊँचाइयाँ स्थापित करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

डॉ. रमन सिंह की अध्यक्षता में कार्यमंत्रणा समिति की बैठक आयोजित

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा के पावस सत्र



के अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह की अध्यक्षता में कार्य मंत्रणा समिति की बैठक सोमवार को विधानसभा के समिति कक्ष में आयोजित की गई। बैठक में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव, संसदीय कार्य मंत्री श्री केदार कश्यप, कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम, वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी सहित समिति के अन्य सदस्यगण उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सिंह को पुष्प गुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया

रायपुर। सोमवार को विधानसभा में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने षष्ठम विधानसभा के मानसून सत्र में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सिंह को पुष्प गुच्छ भेंट कर उनका अभिनंदन किया।।

बदल गए शहर के तीन थानेदार

रायपुर। रायपुर पुलिस कमिश्नर डा.संजीव शुक्ला ने शहर के तीन थानेदारों का तबादला करते हुए कोतवाली थाना प्रभारी को अतिरिक्त प्रचार सौंपा है। कोतवाली थानेदार सतीशसिंह को एसीसीयू का अतिरिक्त जिम्मेदारी भी दी गई हैं वहीं राजेश कुमार सिंह को यातायात से आजाद चौक थाना,पारसराम पटेल को यातायात से सरस्वतीनगर थाना व नरेंद्र कुमार साहू को यातायात से सरस्वतीनगर थाने में पदस्थ किया गया है।

पामगढ़-लाहौद मार्ग के डोंगाकोहरोद में सड़क के लिए 6.05 करोड़ स्वीकृत

रायपुर। राज्य शासन ने जांजगीर-चांपा जिले के पामगढ़ से लाहौद मार्ग के डोंगाकोहरोद बस्ती में सड़क निर्माण के लिए 6 करोड़ 5 लाख रुपए स्वीकृत किए हैं। इस राशि से 3.34 किमी सड़क का निर्माण किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री श्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद राज्य शासन ने मंत्रालय से राशि स्वीकृति के संबंध में प्रमुख अभियंता को परिपत्र जारी कर दिया है। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कार्य में प्रयुक्त की जाने वाली सामग्रियों एवं संपूर्ण कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए हैं। किसी भी स्तर पर कार्य की गुणवत्ता में कमी पाये जाने पर उत्तरदायित्व का निर्धारण करते हुए नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। लोक निर्माण विभाग ने प्रमुख अभियंता को कार्य की निविदा समय-सीमा में करने, निर्माण कार्य प्राक्कलन व कार्य संपादित करने में मितव्ययिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। विभाग ने निर्माण एजेंसी से अनुबंधित समय-सीमा में काम पूर्ण किया जाना सुनिश्चित कराने को कहा है। कार्य पूर्ण किये जाने के लिए अनावश्यक समय-सीमा वृद्धि नहीं किए जाने के भी निर्देश विभाग ने दिए हैं। अपरिहार्य एवं निर्यंत्रण से बाहर मान्य कारणों के आधार पर ही सक्षम अधिकारी द्वारा समय-सीमा में वृद्धि की जा सकेगी।

नगरीय निकायों को विभिन्न मदों में 58.43 करोड़ आवंटित

रायपुर। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने प्रदेश के सभी 194 नगरीय निकायों में विभिन्न मदों में कुल 58 करोड़ 43 लाख 14 हजार रुपए आवंटित किए हैं। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद आज विभाग ने सभी निकायों को राशि आवंटन के आदेश जारी कर दिए हैं। नगरीय प्रशासन विभाग ने प्रदेश के 14 नगर निगमों को कुल 27 करोड़ 82 लाख 45 हजार रुपए आवंटित किए हैं। वहीं 56 नगर पालिकाओं को कुल 18 करोड़ 71 लाख 39 हजार रुपए तथा 124 नगर पंचायतों को कुल 11 करोड़ 89 लाख 30 हजार रुपए आवंटित किए गए हैं। विभाग द्वारा निकायों को अनिवार्य निधि, चुंगी क्षतिपूर्ति, उत्पाद कर, यात्री कर, बार तथा मुद्रांक मद के अंतर्गत यह राशि आवंटित की गई है। विभाग द्वारा जारी इस राशि से नगरीय निकायों की वित्तीय स्थिति को मजबूती मिलेगी। इससे स्थानीय स्तर पर लैबित भुगतानों के साथ ही मरम्मत व संधारण कार्यों तथा अतिवृष्टि जैसी परिस्थितियों से निपटने में भी सहायता मिलेगी।

पूर्व मुख्यमंत्री मोतीलाल वोरा की पत्नी श्रीमती शांति वोरा का निधन

रायपुर/दुर्ग। श्रीमती शांति मोतीलाल वोरा का निधन हो गया। वे अपने सरल स्वभाव, सौम्य व्यक्तित्व और सामाजिक सरोकारों के लिए जानी जाती थीं। श्रीमती शांति मोतीलाल वोरा, मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय मोतीलाल वोरा की धर्मपत्नी पूर्व विधायक एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता अरुण वोरा और अरविन्द चौरा का माता जी, गिरीश एवं राजीव वोरा की बड़ी माँ थीं। उन्होंने लंबे समय तक परिवार के साथ सामाजिक और जनसेवा से जुड़े कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके निधन पर विभिन्न सामाजिक एवं राजनीतिक क्षेत्रों से जुड़े लोगों ने गहरा दुःख व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की है।

ट्रैवल एंड टूरिज्म फेयर कोलकाता-2026 में ‘बेस्ट डेकोरेशन ऑफ स्टॉल एंड अपीयरेंस’ सम्मान से बड़ी प्रदेश की प्रतिष्ठा

21 राज्यों के बीच छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के अभिनव पवेलियन को मिला राष्ट्रीय सम्मान

तीन दिवसीय आयोजन में निवेश, पर्यटन साझेदारी और राज्य की सांस्कृतिक पहचान को मिली नई ऊंचाई

रायपुर। ट्रैवल एंड टूरिज्म फेयर (टीटीएफ) कोलकाता-2026 में छत्तीसगढ़ पर्यटन ने अपनी प्रभावशाली उपस्थिति के साथ राष्ट्रीय स्तर पर एक और उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। तीन दिवसीय इस प्रतिष्ठित पर्यटन आयोजन के सफल समापन पर छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड को देश के 21 राज्यों की सहभागिता के बीच उसके आकर्षक, सृजनात्मक एवं प्रभावशाली पवेलियन के लिए **ऋबेस्ट** डेकोरेशन ऑफ स्टॉल एंड अपीयरेंस**क** सम्मान से सम्मानित किया गया। यह सम्मान राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, जनजातीय जीवन, प्राकृतिक पर्यटन, धार्मिक शरोहरों और आधुनिक पर्यटन दृष्टिकोण को राष्ट्रीय मंच पर प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने के सफल प्रयासों की महत्वपूर्ण पहचान है।

10 से 12 जुलाई तक कोलकाता के विश्व बंगला ग्राण्गन में आयोजित देश के प्रतिष्ठित पर्यटन व्यापार मेले में छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड का पवेलियन तीनों दिनों तक आगंतुकों, पर्यटन विशेषज्ञों, टूर ऑपरेटर्स



और निवेशकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बना रहा। बस्तर की जनजातीय संस्कृति, चित्रकोट एवं तीरथागढ़ जलप्रपात, कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान, सिरपुर, भोरमदेव, धार्मिक एवं इको-टूरिज्म, पर्यटन रिसोर्ट्स तथा राज्य के विविध पर्यटन परिपथों को आधुनिक प्रस्तुतीकरण के माध्यम से प्रदर्शित किया गया, जिसे व्यापक सराहना मिली।

आयोजन के दौरान छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड के अध्यक्ष श्री नीलू शर्मा, पर्यटन विभाग छत्तीसगढ़ शासन के सचिव श्री एस बारातीदासन तथा छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध संचालक श्री विवेक आचार्य ने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय टूर ऑपरेटर्स, ट्रैवल एजेंसियों, होटल समूहों, पर्यटन विशेषज्ञों और निवेशकों के साथ अनेक महत्वपूर्ण बी-टू-बी बैठकों में सहभागिता की। इन बैठकों में पर्यटन निवेश, संयुक्त पर्यटन पैकेजों के विकास, विपणन सहयोग, नए पर्यटन बाजारों तक पहुंच तथा छत्तीसगढ़ में पर्यटकों की

संख्या बढ़ाने की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा हुई। इन संवादों से राज्य के पर्यटन क्षेत्र में भविष्य की नई साझेदारियों और निवेश के अवसरों को भी मजबूती मिली।

मेले में छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड के साथ राज्य तथा अन्य राज्यों के लगभग 28 पंजीकृत टूर ऑपरेटर्स, होटल संचालकों, होम-स्टे संचालकों और पर्यटन उद्यमियों ने भी सक्रिय सहभागिता की। इससे राज्य के पर्यटन उत्पादों को राष्ट्रीय पर्यटन उद्योग के समक्ष प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने तथा नए व्यावसायिक संबंध स्थापित करने का अवसर प्राप्त हुआ।आयोजन के उद्घाटन अवसर पर गोवा के पर्यटन मंत्री श्री रोहन ए. खंवटे, उत्तराखंड के पर्यटन मंत्री श्री सतपाल महाराज, पश्चिम बंगाल के पर्यटन मंत्री डॉ. टू-बी बैठकों में सहभागिता की। इन बैठकों में पर्यटन निवेश, संयुक्त पर्यटन पैकेजों के विकास, विपणन सहयोग, नए पर्यटन बाजारों तक पहुंच तथा छत्तीसगढ़ में पर्यटकों की

बीएड-डीएड, एनईपी और आईटीईपी पर सदन में चर्चा लता उसेंडी और अजय चंद्राकर के सवालों पर मंत्री टंकराम ने दिया जवाब



हैं। उच्च शिक्षा विभाग के कॉलेजों में अभी बीएड की पढ़ाई शुरू नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति के तहत भविष्य में चार वर्षीय शिक्षक शिक्षा पाठ्यक्रम लागू किया जाएगा, लेकिन इसकी शुरुआत अभी नहीं हुई है।नई शिक्षा नीति किन संस्थाओं में लागू है, इस सवाल पर मंत्री टंक राम वर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 राज्य के सभी स्कूलों और कॉलेजों में लागू है।

लता उसेंडी ने विश्वविद्यालय में स्वीकृत और रिक पदों का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने बताया कि 265 शैक्षणिक पदों में केवल 29 पद भरे हुए हैं, जबकि गैर-शैक्षणिक 320 पदों में 291 पद खाली हैं। इस पर मंत्री ने कहा कि विश्वविद्यालय के 31 विभागों में से 5 विभाग अभी शुरू ही नहीं हुए हैं, इसलिए करीब 90 पद

फिलहाल शून्य माने जा सकते हैं। शेष 146 पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और जल्द नियुक्तियां की जाएंगी। उन्होंने यह भी बताया कि पहले की भर्ती से जुड़ी शिकायतों की जांच पूरी हो चुकी है और 13 फरवरी 2026 को शिकायतों को निराधार मानते हुए मामला बंद कर दिया गया था। वरिष्ठ विधायक अजय चंद्राकर ने पूछा कि राज्य के मौजूदा बीएड कॉलेजों को आईटीईपी में बदलने के लिए सरकार क्या कदम उठा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि नई शिक्षा नीति के तहत चार वर्षीय बीएड पाठ्यक्रम केवल बेहतर ग्रेड वाले कॉलेजों में शुरू किया जा सकता है, जबकि छत्तीसगढ़ में ऐसा कोई कॉलेज फिलहाल उपलब्ध नहीं है। जवाब में मंत्री टंक राम वर्मा ने कहा कि वर्तमान में बीएड और डीएड दो वर्षीय पाठ्यक्रम के रूप में संचालित हो रहे हैं। सरकार की योजना 2026 से बीएड की नई कक्षाएं शुरू करने की है, ताकि 2030 तक पहला बैच तैयार हो सके। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि कॉलेजों की ग्रेडिंग एक चुनौती है और इस संबंध में सरकार ने टास्क फोर्स का गठन किया है।

हाईटेक आंगनबाड़ी में प्रार्थना योग से हो रही दिन की शुरुआत

रायपुर। महाराष्ट्र मंडल की ओर से संचालित हाईटेक आंगनबाड़ी में दिन को शुरुआत प्रार्थना और योग के साथ हो रही है। बच्चे आंगनबाड़ी के यूनिफार्म में पूरे जोश के साथ आंगनबाड़ी पहुंच रहे हैं। उन्हें सुबह नौ बजे प्रार्थना कराई जा रही है। हाईटेक आंगनबाड़ी की प्रभारी डॉ. शुचिता देशमुख ने बताया कि हाईटेक आंगनबाड़ी (प्ले स्कूल) में अब तक 30 बच्चों का एडमिशन हो चुका है। कई और अभिभावक भी अपने बच्चों के प्रवेश को लेकर हाईटेक आंगनबाड़ी में प्रवेश की नियम- शर्तों की जानकारी ले रहे हैं। नगर पालिक निगम की ओर से निर्मित इस हाईटेक आंगनबाड़ी में बोते दिनों नगरीय प्रशासन सचिव शंगीता आर ने बच्चों को यूनिफार्म विवरित किया था। इसके बाद अब बच्चे ड्रेस कोड को फॉलो करते हुए आंगनबाड़ी आ रहे हैं। रिमझिम बारिश के बावजूद बच्चों की उपस्थिति उत्साहजनक देखी जा रही है। हाईटेक आंगनबाड़ी की शिक्षिका मेधा पोतदार के अनुसार बच्चों को त्वमेव माता पिता त्वमेव, गुरु ब्रम्हा, गुरु विष्णु का अभ्यास कराया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने तीजन बाई को विधानसभा में दी भावभीनी श्रद्धांजलि

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा के पावस सत्र के दौरान मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज पद्म विभूषण से सम्मानित विश्वविख्यात पंडवानी गायिका डॉ. तीजन बाई के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

निधन उल्लेख के दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि डॉ. तीजन बाई के निधन से छत्तीसगढ़ ने अपनी लोकसंस्कृति का एक अनमोल रत्न खो दिया है। उनके जाने से कला एवं सांस्कृतिक जगत को अपूरणीय क्षति हुई है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि डॉ. तीजन बाई ने पंडवानी गायन की कापालिक शैली को नई ऊंचाइयों तक



पहुंचाया और अपनी विलक्षण प्रतिभा से लोककला को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई। उनकी प्रस्तुतियों में गायन और अभिनय का अद्भुत समन्वय देखने को मिलता था। पात्रों का सजीव चित्रण, ओजपूर्ण वाणी और प्रभावशाली प्रस्तुति श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर देती थी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि डॉ. तीजन बाई का जीवन संघर्ष, साधना

आर्थिक सशक्तिकरण की नई पहचान बनी महतारी वंदन 29 किस्तों में महिलाओं के खातों में पहुंचे 18,805 करोड़ रुपये से अधिक

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में संचालित यह योजना महिलाओं को केवल आर्थिक सहायता ही नहीं दे रही, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर, आत्मविश्वासी और सम्मानजनक जीवन जीने की नई शक्ति भी प्रदान कर रही है। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन में विभाग द्वारा योजना का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है, जिसके सकारात्मक परिणाम आज प्रदेश के हर जिले में दिखाई दे रहे हैं।

11 जुलाई 2026 को योजना की 29वीं किस्त जारी होने के साथ ही प्रदेश की लाखों पात्र महिलाओं के बैंक खातों में एक-एक हजार रुपये की सहायता राशि सीधे अंतरित की गई। योजना के प्रारंभ से अब तक 29 किस्तों के माध्यम से 18 हजार 805 करोड़ रुपये से अधिक की राशि महिलाओं की सीधे उनके खातों में उपलब्ध कराई जा चुकी है। महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को



सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए राज्य सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में योजना के लिए 8,200 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा है कि महतारी वंदन योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ-साथ उनके आत्मसम्मान और आत्मविश्वास को भी नई ऊंचाई प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री

विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार महिलाओं के सर्वांगीण विकास के लिए लगातार कार्य कर रही है। महतारी वंदन योजना के माध्यम से महिलाओं को नियमित आर्थिक संबल मिलने से वे परिवार की आर्थिक जिम्मेदारियों में प्रभावी भागीदारी निभा रही हैं और अपने बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पोषण पर अधिक ध्यान दे पा रही हैं। प्रदेशभर से मिल रही प्रतिक्रियाएं इस योजना की सफलता की सशक्त कहानी कह रही हैं। बालोद जिले की ग्राम बयमरा निवासी श्रीमती देवकी विश्वकर्मा योजना से प्राप्त राशि का उपयोग घरेलू खर्च, बच्चों की पढ़ाई, दवाइयों की खरीद तथा सिलाई-कढ़ाई के कार्यों में करती हैं।श्रीमती जामवंती विश्वकर्मा बताती हैं कि यह राशि उनके परिवार के लिए हर महौने एक मजबूत आर्थिक सहारा बन गई है। वहीं श्रीमती राधिका सोनवानी कहती हैं कि योजना की सहायता से वे अपने बच्चों की स्कूल फीस

समय पर जमा कर पा रही हैं, जिससे परिवार पर आर्थिक बोझ कम हुआ है।

जशपुर जिले की श्रीमती ज्योति पांडेय के अनुसार अब उन्हें छोटी-छोटी आवश्यकताओं के लिए किसी पर निर्भर नहीं रहना पड़ता। श्रीमती रेहाना खातून ने योजना से मिली राशि के सहारे अपना छोटा घरेलू व्यवसाय शुरू किया और आज वे स्वयं आय अर्जित कर परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत कर रही हैं। श्रीमती कविता शर्मा और श्रीमती अंजू शर्मा का कहना है कि नियमित सहायता राशि ने उन्हें आत्मनिर्भर बनने का आत्मविश्वास दिया है तथा सम्मानपूर्वक जीवन जीने का नया आधार प्रदान किया है।

इसी प्रकार गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के ग्राम डुमरिया की श्रीमती बसंती धुवें बताती हैं कि महतारी वंदन योजना की 29वीं किस्त मिलने से घरेलू आवश्यकताओं की पूर्ति में काफी सहायता मिली है।

श्री एस भारतीदासन ने कहा कि राज्य सरकार पर्यटन को आर्थिक विकास, स्थानीय रोजगार और सांस्कृतिक संरक्षण का महत्वपूर्ण माध्यम मानते हुए योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर रही है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर छत्तीसगढ़ की प्रभावी सहभागिता से राज्य में पर्यटन निवेश, पर्यटकों की संख्या और निजी क्षेत्र की भागीदारी में सकारात्मक वृद्धि होगी।

छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध संचालक श्री विवेक आचार्य ने कहा कि पर्यटन बोर्ड राज्य के पर्यटन उत्पादों को राष्ट्रीय और वैश्विक बाजार तक पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि टीटीएफ-2026 में मिली सफलता और राष्ट्रीय सम्मान राज्य के पर्यटन उद्योग से जुड़े सभी हितधारकों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है तथा इससे छत्तीसगढ़ को देश के अग्रणी पर्यटन गंतव्यों में स्थापित करने के अभियान को नई गति मिलेगी।

टीटीएफ कोलकाता-2026 में प्राप्त **ऋबेस्ट** डेकोरेशन ऑफ स्टॉल एंड अपीयरेंस**क** सम्मान छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक समृद्धि, जनजातीय विरासत, प्राकृतिक सौंदर्य और पर्यटन विकास की संभावनाओं को राष्ट्रीय स्तर पर मिली सशक्त पहचान का प्रतीक है। यह उपलब्धि आने वाले समय में राज्य के पर्यटन क्षेत्र को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने, निवेश आकर्षित करने तथा देश-विदेश के अधिकाधिक पर्यटकों को छत्तीसगढ़ की ओर आकर्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

कांग्रेस विधायक के सवाल पर राजस्व मंत्री ने बताया, ‘छत्तीसगढ़ में असर्वेक्षित हैं 746 ग्राम’

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र के पहले दिन प्रश्नकाल के दौरान छत्तीसगढ़ भू-राजस्व संहिता के प्रावधानों के तहत गांवों के बंदोबस्त का मामला उठा। राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने कांग्रेस विधायक जनक ध्रुव के सवाल के जवाब में बताया कि प्रदेश में 746 ग्राम असर्वेक्षित है, जिसमें से 371 ग्राम में सर्वेक्षण प्रक्रियाधीन है। वहीं 375 ग्राम में सर्वेक्षण शुरू नहीं हुआ है।

सदन में प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस विधायक जनक ध्रुव ने राजस्व मंत्री से पूछा कि छत्तीसगढ़ भू राजस्व संहिता के प्रावधानों के तहत किसी भी गाँव का बंदोबस्त हर कितने साल में होना होता है? राज्य में ऐसे कितने गाँव हैं, जिनका बंदोबस्त राज्य गठन सन् 2000 के बाद से अब तक नहीं हुआ है? जिलेवार जानकारी दें? ऐसे गाँवों का बंदोबस्त नहीं होने के लिए कौन जिम्मेदार है, और इन गाँवों के बंदोबस्त कब तक कर लिए जाएंगे?

राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ भू-राजस्व संहिता के प्रावधानों के



तहत किसी भी गाँव का सर्वेक्षण एवं भू-राजस्व का निर्धारण सामान्यतः 30 साल में होना होता है। राज्य में कुल 20551 राजस्व ग्राम हैं जिसमें से 19805 ग्राम सर्वेक्षित है। 746 ग्राम असर्वेक्षित है, जिसमें से 371 ग्राम में सर्वेक्षण प्रक्रियाधीन है, एवं 375 ग्राम में सर्वेक्षण शुरू नहीं हुआ है।

उन्होंने सर्वेक्षण का कार्य चरणबद्ध रूप से स्वीकृत योजना, वित्तीय प्रावधान, तकनीकी सांोधन की उपलब्धता के आधार पर संपादित किया जाता है। अतः ऐसे गावों का सर्वेक्षण नहीं होने के लिये किसी को उत्तरदायी नहीं ठहराया जा सकता। शेष गांवों के सर्वेक्षण की समय-सीमा बताया जाना संभव नहीं है।

और समर्पण का प्रेरक उदाहरण है। जिस दौर में महिलाओं की पंडवानी सम्मान पद्म विभूषण से अलंकृत किया। यह गौरव प्राप्त करने वाली वे छत्तीसगढ़ की एकमात्र विभूति हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी तथा केंद्रीय मंत्रियों ने भी डॉ. तीजन बाई के कला क्षेत्र में अतुलनीय योगदान का स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि राज्योत्सव के अवसर पर रायपुर प्रवास पर आए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने डॉ. तीजन बाई के परिजनों से दूरभाष पर बातचीत कर उनका कुशलक्षेम जाना था।

12वीं के बच्चों के लिए फ्री टैली क्लासेस शुरू

रायपुर। गियदर्शिनी नगर स्थित संत ज्ञानेश्वर विद्यालय में 12वीं कॉमर्स के बच्चों के लिए फ्री टैली क्लासेस का शुभारंभ प्राचार्य मनीष गोवर्धन और ट्रेनर जगदीश हबलानी ने कंप्यूटर लैब कक्ष का फीता काटकर किया। यहां के 12वीं कक्षा में पढ़ने वाले बच्चों को फ्री में टैली का प्रशिक्षण दिया जाएगा। उप प्राचार्य राहुल वोड़ितेलवार ने बताया कि हमारे स्कूल में बच्चों को किताबी ज्ञान देने के साथ व्यवहारिक और अन्य शैक्षणिक ज्ञान भी प्रदान किया जाता है। खेल में रुचि रखने वाले बच्चों के लिए सुबह कराते क्लासेस के साथ कॉमर्स की पढ़ाई कर आगे इसे क्षेत्र में कैरियर बनाने वाले छात्रों को टैली का निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा। शिक्षण सत्र 2026-27 की क्लासेस शनिवार को शुरू कर दी गई है। उप प्राचार्य वोड़ितेलवार के अनुसार आज से 12वीं के बच्चों के लिए टैली क्लासेस भी शुरू की गई। जल्द ही इसमें 11वीं बच्चों को भी सिखाना शुरू किया जाएगा। बच्चों को टैली सिखाने के लिए कैरियर की पाठशाला कोचिंग सेंटर के संचालक जगदीश हबलानी बच्चों को ट्रेनिंग देंगे।

पीके का बड़ा दांव: हाई प्रोफाइल बांकीपुर ही क्यों?

सचेंद्र प्रताप सिंह

राजनीतिक रणनीतिकार के रूप में कई नेताओं को चुनाव जिताने वाले प्रशांत किशोर (पीके) ने जब अपनी पहली चुनावी पारी के लिए पटना की हाई-प्रोफाइल बांकीपुर विधानसभा सीट चुनी, तो यह फैसला केवल एक उम्मीदवार के चुनाव लड़ने की घोषणा नहीं रहा। इसने बिहार की राजनीति में कई सवाल खड़े कर दिए। आखिर पीके ने अपेक्षाकृत सुरक्षित सीट के बजाय भाजपा के सबसे मजबूत गढ़ों में से एक को ही क्यों चुना ? क्या यह केवल चुनावी दांव है, या इसके पीछे कोई बड़ी राजनीतिक रणनीति और दूरगामी संदेश छिपा है ? पहली नजर में यह फैसला जोखिम भरा लगता है, क्योंकि बांकीपुर पिछले तीन दशकों से भाजपा का अभेद्य गढ़ माना जाता है। लेकिन राजनीति में कई बार सबसे कठिन चुनावी मैदान ही सबसे बड़ा राजनीतिक संदेश देने का माध्यम बन जाते हैं। पीके का यह निर्णय भी उसी श्रेणी में देखा जा रहा है। बांकीपुर केवल एक विधानसभा क्षेत्र नहीं है, बल्कि बिहार की सत्ता और राजनीति का प्रतीक है। राजधानी पटना के मध्य स्थित इस क्षेत्र में सरकारी अधिकारी, व्यापारी, पेशेवर वर्ग, शिक्षित मध्यमवर्ग, युवा और प्रभावशाली मतदाता बड़ी संख्या में रहते हैं। यहां की चुनावी चर्चा पूरे राज्य में सुनी जाती है। इसीलिए बांकीपुर का चुनाव अक्सर पूरे बिहार की राजनीतिक दिशा का संकेतक भी माना जाता है। पीके यदि चाहते तो किसी ऐसे विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ सकते थे, जहां जातीय समीकरण उनके पक्ष में हों या जहां जन सु्रुज का संघटन अपेक्षाकृत मजबूत हो। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। इसके बजाय उन्होंने भाजपा के सबसे मजबूत गढ़ को चुनौती देने का फैसला किया। यह निर्णय बताता है कि उनका प्राथमिकता केवल विधानसभा पहुंचना नहीं, बल्कि अपनी राजनीति की वैचारिक पहचान स्थापित करना है। राजनीतिक दृष्टि से देखें तो पीके एक साथ कई संदेश देना चाहते हैं। पहला संदेश यह कि वे सुरक्षित राजनीति नहीं करेंगे। भारतीय राजनीति में अक्सर बड़े नेता आसान और सुरक्षित सीट चुनते हैं, ताकि हार का जोखिम कम रहे। पीके ने इसके विपरीत सबसे कठिन मुकाबला चुना। यदि वे अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो उनकी राजनीतिक विश्वसनीयता बढ़ेगी, और यदि जीत जाते हैं तो यह बिहार की राजनीति में बड़े बदलाव का संकेत माना जाएगा। दूसरा महत्वपूर्ण पहलू भाजपा की सीधी चुनौती देना है। बांकीपुर लंबे समय से भाजपा का मजबूत किला रहा है। यदि जन सुराज यहां भाजपा को कड़ी टक्कर देती है, तो यह संदेश जाएगा कि बिहार में पारंपरिक राजनीतिक ध्रुवीकरण के बीच तीसरी राजनीतिक ताकत भी उभर रही है। इससे जन सुराज को राज्य के अन्य शहरी क्षेत्रों में भी राजनीतिक ऊर्जा मिल सकती है। पीके की राजनीति का एक महत्वपूर्ण आधार जाति आधारित राजनीति के विकल्प की बात करना रहा है। बांकीपुर की सामाजिक संरचना इस दृष्टि से उनके लिए उपयुक्त मानी जा रही है। यहां चुनाव केवल जातीय समीकरणों पर निर्भर नहीं रहता, बल्कि विकास, प्रशासन, शिक्षा, रोजगार और शहरी सुविधाओं जैसे मुद्दे भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यदि वे यहां इन मुद्दों पर मतदाताओं का समर्थन हासिल करते हैं, तो यह उनके राजनीतिक मॉडल की पहली बड़ी परीक्षा होगी। इसके अलावा, यह चुनाव स्वयं पीके की व्यक्तिगत विश्वसनीयता की भी परीक्षा है। पिछले डेढ़ दशक में उन्होंने कई राजनीतिक दलों और नेताओं के लिए सफल चुनावी रणनीतियां तैयार कीं। लेकिन विरोधियों का तर्क रहा कि रणनीति बनाना और स्वयं जनता का विश्वास जीतना दो अलग-अलग बातें हैं। बांकीपुर से चुनाव लड़कर पीके इसी स्वाल का जवाब देना चाहते हैं कि क्या वे केवल सफल रणनीतिकार हैं या स्वयं भी जननेता बनने की क्षमता रखते हैं।

पुराण दिग्दर्शन

सन्देहाभासनिकारणाध्यायः (नौवां अध्याय)

(गतांक से आगे...)

(4) यदि हठात् कोई महाशेय शत शब्द का अर्थ लोकरुद्दि के अनुसार सौ ही बताने का आग्रह करे तब भी सहस्रायुः सुकृतधरेयम् इस श्रुति के अनुसार कम से कम हजार वर्ष की मनुष्यायु अवश्य ही सिद्ध हो जायेगी ।

(5) पुराणादि ग्रन्थों में जिन व्यक्तियों की लम्बी 2 आयु का उल्लेख मिलता है वे प्रायः सत्य, त्रेता आदि युगों में उत्पन्न होने वाले महानुभाव हैं। युगव्यवस्था के अनुसार भी वैज्ञानिक रीति से उनका दीर्घायुः होना युक्तियुक्त है।

(6) जिन व्यक्तियों को दीर्घायु लिखा है वे हमारे पूर्वज प्रायः देवताओं के अंश से उत्पन्न होने वाले व्यक्ति हैं, अतः वे दिव्य आयु के भी अधिकारी थे ।

(7) मीमांसा-दर्शन के निर्णयानुसार वर्ष, संवत्सर आदि शब्दों का अर्थ केवल एक दिन भी है। अतः अमुक 2 व्यक्तियों की आयुर्गणना में



प्रसंगानुसार वहाँ पुराणकार को वही अर्थ अभिप्रेत हो सकता है।

यहाँ तक हमने शास्त्ररीति से आयुष्यविषयक विभिन्न विचारों का सामंजस्य प्रकट किया है। अन्यान्य मतावलम्बियों के विचारों का दिग्दर्शन कराना भी अनावश्यक न होगा ।

(1) आर्यसमाज – के प्रसिद्ध पं0 श्रीपाददामोदर सात-बलेकर ने मानव आयुष्य नामक पुस्तक लिखकर 400 वर्ष लक की आयु स्वीकार की है। स्वा० ८० दयानन्द सरस्वती ने भी सत्याग्रप्रकाश (पृष्ठ 42) में लिखा है कि उत्तम ब्रह्मचर्यय का सेवन करके पूर्ण अर्थात् चार सौ वर्ष पर्यन्त श्रायुः को बढ़ावें। इसी तरह आपने यजुर्वेद भाष्य (17-68) में योगियों के लिये %लोकान्तर गमन और (17-71 में) परकाय प्रवेश की सिद्धि स्वीकार की है [पाठक वर्ग !]

क्रमशः ...

तीन देशों से भारत के लिए आखिर क्या लाए मोदी?

नীরज कुमार दुवे

करीब एक सप्ताह के विदेश दौरे के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब स्वदेश लौट रहे हैं तो ऐसा नहीं लगता कि वह केवल तीन देशों की यात्रा पूरी करके लौटे हैं, बल्कि ऐसा लगता है कि वह दुनिया के सामने नए भारत की ताकत, उसकी बढ़ती हैसियत और उसके उज्ज्वल भविष्य का दमदार परिचय देकर लौटे हैं। हम आपको बता दें कि इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की यात्रा के दौरान मोदी ने तीनों देशों के साथ रक्षा, व्यापार, शिक्षा, ऊर्जा, तकनीक और समुद्री सुरक्षा जैसे कई अहम समझौते किए। साथ ही उन्होंने दुनिया को यह भी बताया कि आज का भारत सिर्फ बातों से नहीं, बल्कि अपनी मिसाइलों की ताकत, आधुनिक तकनीक, मजबूत अर्थव्यवस्था और विकसित भारत के संकल्प के दम पर नई ऊंचाइयों की ओर तेजी से बढ़ रहा है। साथ ही तीनों देशों में प्रधानमंत्री का जिस गर्मजोशी और भव्य अंदाज में स्वागत हुआ, उसने भारत की बढ़ती साख की साफ तस्वीर पेश की। इतना ही नहीं, जब मोदी ने वहां बसे भारतीय समुदाय को संबोधित किया तो वहां के शीर्ष नेताओं ने भी उनकी लोकप्रियता और भारतीयों के उससाह को करीब से देखा। इससे एक बार फिर साफ हो गया कि मोदी की पहचान अब केवल भारत के प्रधानमंत्री तक सीमित नहीं है, बल्कि दुनिया के प्रभावशाली नेताओं में उनकी छवि लगातार और मजबूत होती जा रही है।

सबसे पहले बात न्यूजीलैंड की। यह यात्रा इसलिए भी खास रही क्योंकि करीब 40 साल बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री ने वहां की आधिकारिक यात्रा की। प्रधानमंत्री मोदी का पारंपरिक माओरी रीति से स्वागत किया गया और उसके बाद न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन के साथ लंबी बातचीत हुई। इस मुलाकात का सबसे बड़ा फैसला दोनों देशों के रिश्तों को नई रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक पहुंचाना रहा। इसके साथ ही वर्ष 2030 तक दोनों देशों के बीच कारोबार को दोगुना करने का लक्ष्य रखा गया। दोनों पक्षों ने मुक्त व्यापार

ज्ञान/मीमांसा

नरोत्तम के बहाने भाजपा में साठ पार वालों को कड़ा संदेश

अजय बोकिल

मध्यप्रदेश की दतिया विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव में भाजपा द्वारा अपने दिग्गज नेता, पिछला विस चुनाव हारे तथा इस बार मंत्री पद की शपथ लेने का मसूबा पाले डॉ. नरोत्तम मिश्रा को दरकिनार कर एक दूसरे ब्राह्मण और युवा नेता आशुतोष तिवारी को टिकट देकर न केवल नरोत्तम मिश्रा बल्कि पार्टी के उन तमाम साठ पार नेताओं को बड़ा संदेश दे दिया है कि वो अब बोरिया बिस्तर बांधने की तैयारी कर लें।

भाजपा में पिछले साल पीढ़ी परिवर्तन (दो शीर्ष नेताओं को छोड़कर) का जो सिलसिला शुरू हुआ था, वो अब उपचुनावों में प्रत्याशी चयन में पल्लवित होता दिखाई दे रहा है। हालाँकि आशुतोष तिवारी को टिकट देने की खबर सुनकर दतिया में नरोत्तम समर्थकों ने 12 घंटे तक बवाल मचाया, हिंसा और आगजनी की, लेकिन पार्टी आला कमान के सख्त तेवरों के आगे उसकी सुदर्शन छवि की भी एक न चली।

झक मारकर नरोत्तम को आशुतोष का समर्थन करने का ऐलान करना पड़ा। वैसे अंदरखाने नरोत्तम का टिकट कटवाने के पीछे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की भूमिका पर सवाल उठ रहा है। क्योंकि ऐसा होने से जहां प्रदेश में एक और सत्ता केन्द्र उभरने की संभावना की भ्रूण हत्या हो गई और अगर भाजपा यह उपचुनाव हारी तो भीतरघात का संशय नरोत्तम पर ही जाएगा। यानी एक तीर से दो शिकार वाली स्थिति है। कुल मिलाकर हरदम चमकता चेहरा लेकर घूमने वाले नरोत्तम की राजनीति का यह दि एंड हो सकता है।

विर्दबना यह है कि नरोत्तम किसी जमाने में खुद को राज्य का सबसे बड़े ब्राह्मण चेहरे के रूप में स्थापित करने में लगे थे। कमलनाथ सरकार गिराने में जिन लोगों की सक्रिय भूमिका रही, उनमें नरोत्तम का भी नाम था। इसके पहले वो प्रदेश के गृह मंत्री भी रहे और यश और धन दोनों खूब कमाया।

दूसरी तरफ अपने ही विधानसभा क्षेत्र में उनकी छवि लगातार खराब होती गई। कुछ लोग तो उन्हें ‘दतिया का डॉन’ तक कहने लगे थे। 2018 का विस चुनाव भी वो महज ढाई हजार वोटों से जीत पाए थे। इस बार भी दतिया के कांग्रेस विधायक राजेन्द्र भारती का बैंक फ़ॉंड केस में चुनाव रद्द होना भी नरोत्तम के भाग्य का छीका नहीं बन सका।



दरअसल नरोत्तम मिश्रा दतिया में आयातित नेता हैं। वो मूलतः ग्वालियर के हैं और शुरू में डबरा विधानसभा सीट से जीतते रहे हैं। परिसीमन में जब डबरा सीट आरक्षित हो गई तो नरोत्तम दतिया इसलिए चले आए, क्योंकि यह अनारक्षित होने के साथ-साथ यहां ब्राह्मण वोटरों की संख्या काफी है। धीरे-धीरे नरोत्तम ने यहां अपनी सल्तनत कायम कर ली।

उसी अनुपात में वो लोगों के बीच अलोकप्रिय भी होते गए। पुत्र प्रेम के कारण जिन लोगों का राजनीतिक करियर प्रभावित हुआ, नरोत्तम भी उन्हीं में से एक हैं। लगातार चुनाव जीतने वाले नेता अक्सर यह मुगालता पाल लेते हैं कि वो अजेय और मर्जी के मालिक हैं।

नतीजा यह हुआ कि 2023 में जब पूरे प्रदेश में भाजपा की लहर चल रही थी, नरोत्तम पौने 8 हजार वोटों से अपनी सीट कांग्रेस के राजेन्द्र भारती के हाथों गवां बैठे। चुनाव नतीजों के पहले तक नरोत्तम मंत्री तो ठीक, मुख्यमंत्री बनने का सुनहरा सपना पाले थे।

उनकी देह भाषा भी उसी अंदाज में हिलेरों लेने लगी थीं। लेकिन लोकतंत्र में होनी जनता के हाथ में होती है। मजबूत इच्छाशक्ति और अपार महत्वाकांक्षा के बाद भी जनता ने ही दगा दे दिया और नरोत्तम को घर बैठना पड़ा।

नरोत्तम मिश्रा को यह मुगालता भी रहा कि ‘हाईकमान’ से अच्छी टयूनिंग के चलते उनका ठीक से पुनर्वास होगा। लेकिन वैसा कुछ भी नहीं हुआ। न सत्ता में न संगठन में। मारक मुस्कान के बावजूद करनी का बोझ वो सिर से कभी न उतार सके।

आशुतोष गर्ग

पुरूरवा और उर्वशी के सात पुत्र हुए- आयु, अमावसु, विश्वायु, रस्तायु, दुर्वायु, वनायु और शतायु। इनमें से आयु की पत्नी स्वर्भानुकुमारी के गर्भ से पांच पुत्र हुए- नृधुष, वृद्धशर्मा, रभ, रजि और अनेना। इन पांचों में रजि सबसे प्रतापी थे। वह इतने शक्तिशाली थे कि देवता और दानव, दोनों उनका सम्मान करते थे। कुछ समय बाद देवताओं और असुरों के बीच युद्ध हुआ। वे सब मिलकर ब्रह्मा जी के पास पहुंचे और बोले, ‘भगवन! कृपा करके बताइए कि इस युद्ध में विजय किसकी होगी?’ ब्रह्मा जी ने उत्तर दिया, ‘जहां रजि होंगे, वहाँ धैर्य होगा; जहां धैर्य होगा, वहीं लक्ष्मी होगी; और जहां लक्ष्मी होगी, वहीं धर्म और विजय का निवास होगा।’ यह सुनते ही देवता और असुर, दोनों रजि के पास

पहुंचे। दोनों पक्षों ने रजि से अनुरोध किया कि वह उनकी ओर से युद्ध करें और उन्हें विजय दिलाएं।

राजा रजि बुद्धिमान थे। उन्होंने देवताओं से कहा, ‘यदि मैं तुम्हारे लिए युद्ध करूँ और विजय प्राप्त करूँ, तो क्या मुझे इंद्र का पद मिलेगा?’ देवताओं ने तुरंत उत्तर दिया, ‘राजन! आपकी इच्छा अवश्य पूरी की जाएगी।’ इसके बाद रजि ने असुरों से भी यही प्रश्न किया। परंतु, उन्होंने अभिमानपूर्वक उत्तर दिया, ‘हमारे इंद्र तो प्रह्लाद हैं। हम किसी और को इंद्र-पद नहीं दे सकते!’ यह सुनकर रजि ने देवताओं के पक्ष में युद्ध करने का निश्चय कर लिया। उनका पराक्रम देखकर दानवों की सेनाएं कांप उठीं। उन्होंने अकेले ही असंख्य असुरों का संहार



कर दिया। जो असुर वर्षों से देवताओं को पराजित करते आ रहे थे, वह भी रजि के सामने टिका न सके। अंततः देवताओं को विजय मिली और उनका खोया हुआ वैभव उन्हें पुनः प्राप्त हो गया।

युद्ध समाप्त होने पर देवराज इंद्र स्वयं राजा रजि के पास आए। वह अत्यंत प्रसन्न थे। उन्होंने विनम्र होकर कहा, ‘तात! वास्तव में आज आप ही इंद्र हैं। आपकी क्षात्र से मुझे पुनः स्वर्ग का राज्य प्राप्त हुआ है। मैं आज से स्वयं को आपका पुत्र मानता हूँ।’ इंद्र की मधुर बातों से रजि बहुत प्रसन्न हुए और उन्होंने मुस्कुराकर देवराज का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। कुछ समय बाद, रजि देह त्यागकर ब्रह्मलोक चले गए। उनके जाने के बाद उनके पुत्रों ने

वालों के लिए साफ संदेश है कि वो नए लोगों के लिए सिंहासन खाली करें, मुख्यमंत्री पद की ख्वाहिश पालना तो बहुत दूर की बात है।

ऐसे लोग चाहिए जो पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष 45 वर्षीय नितिन नबीन को बेझिझक ‘सर’ कह सकें। लिहाजा वर्तमान केन्द्रीय मंत्री और पूर्व में लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे शिवराज सिंह चौहान को छोड़ दें तो ‘डेंजर झोन’ में चल रहे तमाम नेताओं को भाजपा नेतृत्व ने रेड सिग्नल दे दिया है।

यानी मानकर चलें कि यह उनकी यह पारी सत्ता की राजनीति में आखिरी हो सकती है। इस डेंजर झोन में नरेन्द्र सिंह तोमर,कैलाश विजयवर्गीय, प्रहलाद पटेल आदि प्रमुख हैं। इसमें नरोत्तम मिश्रा भी शुमार हो गए हैं। कुलमिलाकर शिवराज की पीढ़ी के तमाम लोग अब चार धाम की यात्रा की तैयारी कर लें।

इस समूचे घटनाक्रम ने 66 वर्षीय नरोत्तम मिश्रा के राजनीतिक भविष्य पर ही सवालिया निशान लगा दिया है। जिस कारण से उनका टिकट काटा बताया जाता है, उसके निदान में तो बरसों लग सकते हैं; तब तक प्रदेश की राजनीति में बहुत सारा पानी बह चुका होगा। इस बीच नया नेतृत्व अपनी जड़ें जमा ले तो नरोत्तम के पास हरिभजन के अलावा कुछ भी नहीं बचेगा।

वैसे भी तीन दशकों से राजनीति में रचे पगे नरोत्तम के लिए ‘रिटायरमेंट’ की ज़िंदगी ज़िना मुश्किल है। जिस तरह उनके समर्थकों ने दतिया में बवाल काटा, उसके बाद संगठन में उनके पुनर्वास की संभावना पर भी पत्थर पड़ गए हैं। दूसरे, अपने पुत्र को राजनीति में आगे बढ़ाने की योजना का रायता भी फैलता दिख रहा है।

नरोत्तम के सियासी सितारे चमकने की संभावना इसलिए भी न्यून थी, क्योंकि मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव राजनीतिक महत्वाकांक्षा की रेस में एक और खिलाड़ी को गवारा नहीं कर सकते थे। कोई भी मुख्यमंत्री नहीं चाहता। चूंकि पार्टी में अपेक्षकृत नई पीढ़ी के लिए मैदान साफ किया जा रहा है, इसलिए उसमें नरोत्तमों की बलि तो चढ़नी ही है। फिर अंतिम नतीजा जो हो।

दतिया की घटना इस संगठनात्मक संकल्प का पायलेट प्रोजेक्ट माना जाना चाहिए। धीरे-धीरे यह अन्य राज्यों पर भी लागू होगा। इस सफाई योजना को संच का समर्थन भी प्राप्त है। अब देखना यह है कि बात कितनी दूर तलक जाती है।

राजा रजि के पुत्रों का स्वर्ग से कैसे हुआ मोहभंग?

आशुतोष गर्ग

पहुंचे। दोनों पक्षों ने रजि से अनुरोध किया कि वह उनकी ओर से युद्ध करें और उन्हें विजय दिलाएं।

राजा रजि बुद्धिमान थे। उन्होंने देवताओं से कहा, ‘यदि मैं तुम्हारे लिए युद्ध करूँ और विजय प्राप्त करूँ, तो क्या मुझे इंद्र का पद मिलेगा?’ देवताओं ने तुरंत उत्तर दिया, ‘राजन! आपकी इच्छा अवश्य पूरी की जाएगी।’ इसके बाद रजि ने असुरों से भी यही प्रश्न किया। परंतु, उन्होंने अभिमानपूर्वक उत्तर दिया, ‘हमारे इंद्र तो प्रह्लाद हैं। हम किसी और को इंद्र-पद नहीं दे सकते!’ यह सुनकर रजि ने देवताओं के पक्ष में युद्ध करने का निश्चय कर लिया। उनका पराक्रम देखकर दानवों की सेनाएं कांप उठीं। उन्होंने अकेले ही असंख्य असुरों का संहार



कर दिया। जो असुर वर्षों से देवताओं को पराजित करते आ रहे थे, वह भी रजि के सामने टिका न सके। अंततः देवताओं को विजय मिली और उनका खोया हुआ वैभव उन्हें पुनः प्राप्त हो गया।
युद्ध समाप्त होने पर देवराज इंद्र स्वयं राजा रजि के पास आए। वह अत्यंत प्रसन्न थे। उन्होंने विनम्र होकर कहा, ‘तात! वास्तव में आज आप ही इंद्र हैं। आपकी क्षात्र से मुझे पुनः स्वर्ग का राज्य प्राप्त हुआ है। मैं आज से स्वयं को आपका पुत्र मानता हूँ।’ इंद्र की मधुर बातों से रजि बहुत प्रसन्न हुए और उन्होंने मुस्कुराकर देवराज का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। कुछ समय बाद, रजि देह त्यागकर ब्रह्मलोक चले गए। उनके जाने के बाद उनके पुत्रों ने

विचार किया कि जब उनके पिता ने देवताओं को विजय दिलाई थी, तब स्वर्ग पर उनका भी अधिकार बनता है। वे इंद्र के पास पहुंचे और उससे अपना भाग मांग लिया। इंद्र ने उन्हें समझाने का प्रयास किया, परंतु रजि के पुत्र अत्यंत बलशाली थे। उन्होंने बार-बार स्वर्ग पर आक्रमण किया। और, अंततः इंद्र का राज्य छीन लिया। इंद्र यंत्राभा और राजसत्ता, दोनों से वंचित हो गए। उनका तेज क्षीण होने लगा और वह अत्यंत दुखी हो गए। अंत में इंद्र अपने गुरु बृहस्पति के पास पहुंचे। उन्होंने विनम्रतापूर्वक बृहस्पति से कहा, ‘गुरुदेव! रजि के पुत्रों ने मेरा राज्य और अधिकार छीन लिया है। कृपया मेरी सहायता कीजिए।’ बृहस्पति ने कहा, ‘देवराज! चिंता मत करें। मैं ऐसा उपाय करूंगा, जिससे तुम्हें शीघ्र ही अपना राज्य वापस मिल जाएगा।’

आज का इतिहास

- 1945 इटली ने अगले दिन जापान पर युद्ध की घोषणा की।
- 1950 कोरियाई युद्ध के एक शुरुआती युद्ध में, उत्तर कोरिया के सैनिकों ने दक्षिण कोरिया के ताएजन में अमेरिकी 24 वें इन्फैंट्री डिवीजन के मुख्यालय पर हमला करना शुरू कर दिया।
- 1957 राय्या अतीया ने मिस्त्र की नेशनल असेंबली में अरब दुनिया की पहली महिला सांसद को उकसाने के लिए अपनी सीट ली।
- 1958 इराक में जनरल अब्दुल करीम के विद्रोह के बाद राजशाही व्यवस्था का अंत और प्रजातंत्र की स्थापना हुई।
- 1960 इंग्लिश प्राइमेटोलॉजिस्ट जेन गुडाल गोम्बे स्ट्रीम चिंपांजी रिजर्व, तांगानिका में जंगली चिम्पांजी के थिसेसियल और पारिवारिक इंटरैक्शन के बारे में अपने अध्ययन की शुरुआत करने पहुंचे।
- 1965 मंगल के पास से गुजरने वाले नासा के अंतरिक्ष यान ने किसी दूसरे ग्रह की पहली क्लोज अप तस्वीरें खींचीं।
- 1972 तत्कालीन सोवियत संघ ने भूमिगत परमाणु परीक्षण किया।
- 1972 प्लेट ऑप और कैचर एक खेल में भाई बन गए हैं। बिल हॉलर अपॉयर हैं और टॉम हॉलर टाइगर्स कैचर हैं। कैनसस सिटी रॉयल्स ने 1–0 से जीत दर्ज की।
- 1973 102 वां ब्रिटिश गोल्फ ओपन खत्म हो गया है। टॉम वेव्सक्रॉफ ने रॉयल ट्रॉन में 276 रन बनाए। यह उनके लिए एक शानदार सफलता थी।
- 1978 एलन गिंसबर्ग ने प्लूटोनियम ऑड पुरा किया। यह फिशाइल सामग्री के ट्रेन लोड को रोकता है जो कोलोराडो में स्थित क्वेवेल के परमाणु बम ट्रिगर कारखाने के लिए नेतृत्व किया गया था।
- 1987 ताइवान में 37 वर्षों के सैनिक शासन का अंत हुआ।
- 1987 मॉन्ट्रियल में दो-ढाई घंटे के बारिश में 100 मिमी (3.9 इंच) से अधिक बारिश हुई, जिससे गंभीर बाढ़ आई और 220 मिलियन डॉलर से अधिक की क्षति हुई।
- 1995 एमपी 3 डिजिटल ऑडियो एन्कोडिंग प्रारूप का नाम दिया गया था।
- 2003 अमेरिका के राजदूत जोसेफ सी। विल्सन को बदनाम करने के प्रयास में, जिन्होंने 2003 में इराक पर आक्रमण के लिए एक लेख लिखा था, वॉशिंगटनपोस्ट के स्तंभकार रॉबर्ट नोवाक ने खुलासा किया था कि विल्सन की पत्नी वैंलेरी प्लामेवस एक सीआईए थी।
- 2010 आंद्रे कागवा, वरिष्ठ रवांडा विपक्षी राजनेता रवीसेका पाए गए हैं। उसके लापता होने की सूचना मिली थी। वह अपने सिर के साथ पाया गया लगभग बंद हो गया।

सतलुज विवाद पर रवनीत बिट्टू ने जो सवाल उठाये हैं क्या दिलजीत दोसांझ उनका जवाब देंगे?

नीरज कुमार दुबे

पंजाब की राजनीति में एक बार फिर इतिहास, सिनेमा और सियासत आमने सामने खड़े दिखाई दे रहे हैं। अभिनेता और गायक दिलजीत दोसांझ की फिल्म सतलुज को लेकर शुरू हुआ विवाद अब पूरी तरह राजनीतिक बहस में बदल गया है। केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने दिलजीत दोसांझ और फिल्म के निर्देशक हनी त्रेहन पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया है कि फिल्म के जरिए पंजाब के उग्रवाद के दौर की केवल एकतरफा तस्वीर पेश की जा रही है और समाज में पुराने जखमों को फिर से कुरेदने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने दो टूक कहा कि केंद्र सरकार का फिल्म को ओटीटी मंच से हटाने में कोई हाथ नहीं है। साथ ही उन्होंने पूरे विवाद को सुनियोजित प्रचार करार दिया।

हम आपको बता दें कि विवाद की शुरुआत तब हुई जब सतलुज ओटीटी पर रिलीज होने के महज दो दिन बाद ही वहां से हटा ली गई। इस कदम के बाद पंजाब के फिल्म जगत, सोशल मीडिया और पंजाब सरकार के कुछ हलकों में यह सवाल उठने लगे कि क्या राजनीतिक दबाव के चलते फिल्म हटाई गई। हालांकि रवनीत सिंह बिट्टू ने इन आरोपों को पूरी तरह खारिज करते हुए

कहा कि सरकार का ऐसे मंचों पर कोई नियंत्रण नहीं है। उनका दावा है कि फिल्म के निर्माताओं ने स्वयं ही इसे हटाया क्योंकि उन्हें जितना आर्थिक लाभ चाहिए था, वह मिल चुका था। उन्होंने कहा कि जब स्वयं दिलजीत दोसांझ पहले ही यह कह चुके थे कि फिल्म केवल दो तीन दिन के लिए उपलब्ध रहेगी, तभी समझ जाना चाहिए था कि पूरे घटनाक्रम में कुछ न कुछ गड़बड़ है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार को फिल्म हटानी ही होती तो उसे प्रसारित होने की अनुमति ही क्यों दी जाती। बिट्टू ने आरोप लगाया कि पहले फिल्म को प्रसारित कर माहौल बनाया गया और फिर उसे हटाकर सरकार पर प्रतिबंध लगाने का आरोप मढ़ दिया गया।

केंद्रीय मंत्री ने दिलजीत दोसांझ पर केवल इस विवाद तक हमला सीमित नहीं रखा। उन्होंने आरोप लगाया कि दिलजीत केवल धन कमाने के लिए काम करते हैं और विदेश में बैठकर पंजाब के लोगों को भ्रमित कर रहे हैं। उन्होंने उन्हें बहुरूपिया बताते हुए कहा कि वह लॉस एंजलिस में रहकर पंजाब की भावनाओं से खेल रहे हैं। बिट्टू ने सवाल उठाया कि यदि दिलजीत को समाज और मानवाधिकारों की इतनी चिंता है तो उन्होंने मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालरा पर फिल्म क्यों



नहीं बनाई? उन्होंने फिल्म चमकीला का भी जिक्र करते हुए कहा कि यदि दिलजीत अपने परिवार की महिलाओं का सम्मान करते तो ऐसी फिल्म में काम नहीं करते। उन्होंने यह दावा भी किया कि विदेशों में अपने कार्यक्रमों के दौरान दिलजीत खालिस्तान के झंडे लेकर आने वालों को हटाने की बात करते हैं और फिर सवाल उठाया कि आखिर उनके पीछे कौन-सी ताकतें काम कर रही हैं?

रवनीत सिंह बिट्टू ने स्पष्ट किया कि उन्हें पंजाब में उग्रवाद के दौर पर फिल्म बनने से कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन उनका विरोध केवल एकतरफा कहानी दिखाने को लेकर है। उन्होंने कहा कि यदि उस दौर की कहानी दिखाई जा रही है तो उन पुलिस अधिकारियों, सुरक्षाकर्मियों और निर्दोष नागरिकों के बलिदान को भी सामने लाया जाना चाहिए जिन्होंने आतंकवाद के खिलाफ संघर्ष करते हुए अपने प्राण गंवाए। उन्होंने दिलजीत दोसांझ

और हनी त्रेहन को चुनौती देते हुए पूछा कि क्या वह उन पुलिस अधिकारियों और आम नागरिकों पर भी फिल्म बनाएंगे जिनकी 1984 के बाद के दौर में आतंकवादियों ने हत्या कर दी थी। उन्होंने लालडू के पास एक सी पच्चीस महिलाओं के नर्संहार और युवा भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी अविंदर सिंह की हत्या जैसी घटनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इन परिवारों के दर्द को भी देश के सामने लाया जाना चाहिए।

फिल्म में किए गए उस दावे पर भी केंद्रीय मंत्री ने सवाल उठाया जिसमें पच्चीस हजार अज्ञात शवों के गुप्त तरीके से निपटान की बात कही गई है। उन्होंने कहा कि यदि यह दावा तथ्यात्मक है तो निर्माता उसके प्रमाण सार्वजनिक करें। उन्होंने चुनौती देते हुए कहा कि पच्चीस हजार तो दूर, यदि पांच हजार मामलों का भी पूरा ब्यूरा मीडिया, संबंधित आयोग या न्यायालय के सामने रख दिया जाए तो वह अपनी बात वापस लेने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि तथ्यों के बिना ऐसे गंभीर आरोप समाज में भ्रम और तनाव पैदा करते हैं।

अपने परिवार के इतिहास का जिक्र करते हुए रवनीत सिंह बिट्टू ने कहा कि उनके दादा और पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह ने आतंकवाद के कठिन दौर में राज्य में शांति

भाजपा में कद्दावर नेताओं के पंख कतरने का खेल

दिलीप कुमार पाठक

भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की पूरी राजनीति जिस एक मजबूत धुरी पर टिकी है, उसे अनुशासन कहा जाता है। संघ और भाजपा की कार्यप्रणाली में बगावत या खुले विद्रोह को कभी भी स्वीकार नहीं किया गया। यहाँ यह सिद्धांत पथर की लकीर माना जाता है कि नेता से बड़ा दल होता है और दल से बड़ा देश। लेकिन पिछले कुछ दिनों में मध्य प्रदेश के दत्तिया की सड़कों पर जो अभूतपूर्व नजारा दिखा, उसने इस पारंपरिक राजनीतिक सोच और कैडर के अनुशासन को पूरी तरह झकझोर कर रख दिया है। पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा का टिकट काटकर आशुतोष तिवारी को उपचुनाव का उम्मीदवार बनाना पार्टी के भीतर सुलग रही उस अंदरूनी कलह को स्प्रेआम बाहर ले आया, जिसे अब तक दिल्ली और भोपाल के बंद कमरों में दबाकर रखने की पूरी कोशिश की जा रही थी। दत्तिया में जो कुछ भी हुआ, वह केवल एक टिकट कटने का सतही विरोध नहीं था। वह असल में एक ताकतवर क्षेत्रीय क्षत्रप के जमीनी प्रभाव और शक्ति का खुला प्रदर्शन था। नेशनल हाईवे-44 पर समर्थकों द्वारा किया गया 12 घंटे का चक्काजाम, पुलिस प्रशासन पर पथरार और भाजपा जिला अध्यक्ष रघुवीर सिंह कुबुवाहा सहित पूरी जिला कार्यकारिणी का सामूहिक इस्तीफा देना किसी भी अनुशासित राजनीतिक दल की चूल् हिलाने के लिए काफी है। इस पूरे घटनाक्रम में सबसे हैरान करने वाली बात यह रही कि इतनी बड़ी सामूहिक अनुशासनहीनता, हिंसक प्रदर्शन और खुलेआम पार्टी विरोधी कदम उठाने के बाद भी केंद्रीय या प्रदेश नेतृत्व की तरफ से किसी भी नेता या कार्यकर्ता पर कोई बड़ी दंडात्मक कार्रवाई नहीं की गई। यह वही भाजपा है जो छोटे से छोटे आंतरिक विरोध पर भी तुरंत निलंबन और निष्कासन का चाबुक चला देती है, लेकिन दत्तिया के मामले में नेतृत्व ने रहस्यमयी चुप्पी साधे रखी। यह चुप्पी ही साफ बयां करती है कि शीर्ष नेतृत्व भी इस क्षत्रप के जमीनी रसूख को नजरअंदाज करने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा है। हालांकि, इस पूरे सियासी झुमे का अगला अंक और भी दिलचस्प मोड़ पर आ गया। भोपाल में मुख्यमंत्री



मोहन यादव और प्रदेश अध्यक्ष से बंद कमरे में हुई गंभीर मुलाकात के बाद डॉ. नरोत्तम मिश्रा के सुरू अचानक बदल गए। जो समर्थक कल तक सड़कों पर टायर जलाकर आगजनी कर रहे थे, उनके सर्वमान्य नेता ने अचानक एक वीडियो संदेश जारी कर पार्टी के फैसले को सिर-आंखों पर लेने की बात कह दी। नरोत्तम मिश्रा ने न सिर्फ अपने कार्यकर्ताओं से शांति की भावुक अपील की, बल्कि भाजपा प्रत्याशी के नामांकन में खुद शामिल होने की बड़ी घोषणा भी कर दी। राजनीति और सत्ता के गलियारों को समझने वाले भली-भाँति जानते हैं कि यह वैचारिक हृदय परिवर्तन स्वेच्छा से नहीं हुआ है। इसके पीछे संगठन का वह भारी आंतरिक दबाव काम कर रहा है, जिसे भाजपा की भाषा में अनुशासन की कड़वी छुट्टी कहा जाता है। यह पूरा घटनाक्रम भाजपा के भीतर लंबे समय से पक रही एक बहुत बड़ी और गहरी अंदरूनी कलह की ओर इशारा करता है।

आज की नई भाजपा में केंद्रीय नेतृत्व यानी दिल्ली दरबार का एकाधिकार और प्रभाव अभूतपूर्व रूप से बढ़ चुका है। राज्यों के मुख्यमंत्रियों को तय करने से लेकर छोटे से छोटे उपचुनाव के टिकटों का फैसला अब पूरी तरह से दिल्ली की केंद्री और सर्वे सिंबरे के आधार पर तय होता है। इस नई केंद्रित व्यवस्था में सबसे बड़ा और गहरा झटका उन क्षेत्रीय क्षत्रपों को लगा है, जिनका सूबों में अपना एक अलग, मजबूत और रौबदार सियासी साम्राज्य हुआ करता था। मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान के युग की विदाई

के बाद से ही सूबे के कद्दावर नेताओं को धीरे-धीरे मुख्यधारा की राजनीति से पूरी तरह किनारे करने या राजनीतिक रूप से निपटाने का एक मौन सिलसिला लगातार जारी है। लेकिन शीर्ष नेतृत्व की यह कूटनीति अब अपने साथ एक बहुत बड़ा और गंभीर राजनीतिक जोखिम भी लेकर आ रही है। बड़े और स्थापित चेहरों को इस तरह

दरकिनार करके नए, अनुभवहीन लेकिन आज़ाकारी चेहरों को जबरन आगे बढ़ाने को इस अति-महत्वाकांक्षी रणनीति से पार्टी के भीतर का पुराना कैडर भीतर ही भीतर सुलग रहा है। जो अंतर्कलह और असंतोष कभी केवल कोर कमेट्री की बैठकों या बंद कमरों में दबी जुबान में जाहिर होता था, वह अब दत्तिया जैसी हिंसक और खुली घटनाओं के जरिए सड़कों पर तमाशा बनकर बिखर रहा है। सालों तक दरी बिछाने वाले निष्ठावान कार्यकर्ताओं और पुराने वरिष्ठ नेताओं के मन में अब यह गहरा डर बैठ चुका है कि उनके जीवनभर की तपस्या पर दिल्ली का एक फरमान किसी भी दिन पानी फेर सकता है।दत्तिया का यह बड़ा प्रकरण भले ही वरिष्ठ नेताओं के हस्तक्षेप और कूटनीति के कारण फिलहाल शांत दिखाई दे रहा हो, लेकिन इसने मध्य प्रदेश भाजपा के भीतर एक ऐसी गहरी लकीर खींच दी है जिसे मिटाना आसान नहीं होगा। नेता भले ही शीर्ष संगठन के भारी दबाव में आकर कैमरे के सामने अपने सुर बदल लें, लेकिन उनके आहत समर्थकों और जमीनी कार्यकर्ताओं के दिलों में लगी इस उपेक्षा की आग को बुझाना नामुमकिन साबित होता है। यदि आने वाले समय में केंद्रीय नेतृत्व ने क्षेत्रीय भावनाओं, जमीनी पकड़ और वरिष्ठ नेताओं के आत्मसम्मान के बीच एक स्वस्थ संतुलन नहीं बनाया, तो अनुशासन के इस सबसे मजबूत कहे जाने वाले किले में दरारें और चौड़ी हो सकती हैं, जिसका खामियाजा पार्टी को आगामी चुनावों में भुगतना पड़ सकता है।

जंगबाजों की बंधक न बने विश्व त्वरस्था

राज कुमार सिंह

मध्य पूर्व में शांति और स्थिरता की आस को फिर पलीला लग गया। यह काम किसी और ने नहीं, बल्कि उन लोगों ने ही किया है, जिनसे शांति और स्थिरता की समझदारी की उम्मीद लगाई जा रही थी। अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, ईरानी नेतृत्व को सनकी मानते हैं।

ट्रम्प के बारे में भी शेष विश्व की कमोबेश यही राय है। इसराईल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की छवि भी ऐसी ही है। दरअसल ये तीनों ही मिल कर शेष विश्व की व्यवस्था को अपनी सनक का बंधक बनाते दिख रहे हैं। ट्रड विराम के बीच भी तनातनी के बावजूद जिस तरह अमरीका और ईरान में 60 दिन का शांति समझौता हुआ तथा उसे स्थायी बनाने को ले कर बाचीत शुरू हुई, उससे विश्व व्यवस्था बहाल होने की उम्मीद जगी थी, लेकिन अचानक फिर एक-दूसरे पर हमले शुरू हो गए हैं।

युद्ध के लिए किसी एक पक्ष को दोषी ठहराना आसान नहीं होता, लेकिन कोई कम दोषी होता है, तो कोई ज्यादा। अक्सर संवाद के जरिए समस्या के समाधान का रास्ता बंद हो जाने पर ही संघर्ष की शुरुआत होती है, लेकिन अमरीका और इसराईल ने 28 फरवरी को ईरान पर तब हमला बोल दिया था, जब पहले दौर में कुछ मुद्दों पर सहमति के बाद वार्ता का दूसरा दौर तय हो गया था। ईरान पर हमले के पक्ष में ट्रम्प और नेतन्याहू ने जो तर्क दिए, वे भी उनके समर्थक देशों के अलावा शायद ही किसी और के गले उतरे हों। पहले ही दिन सुप्रीम कोर्ट अयातुल्लाह खामेनेई समेत तीन दर्जन से ज्यादा वरिष्ठ नेताओं-पक्षाधिकारियों को मार डालने तथा बाद में ईरान की सैन्य शक्ति लगभग समाप्त करने के दावों के बावजूद 7 अप्रैल को युद्ध विराम बताता है कि शक्तिशाली अमरीका और इसराईल वांछित परिणाम पाने में विफल रहे।

इसराईल ने तो युद्ध विराम से असहमति जताते हुए लेबनान पर हमले भी जारी रखे। तनातनी के बीचों-बीच तीनों ही पक्षों में छिड़पट टकराव जारी रहा, पर पिछले महीने शांति समझौते पर हस्ताक्षर से उम्मीद जगी थी कि युद्धोन्माद खत्म होगा और ऊजां



संकट के चलते आर्थिक हिचकोले झेल रही विश्व व्यवस्था धीरे-धीरे पटरी पर लौट आएगी। हालांकि ट्रम्प अपनी आदत के मुताबिक बीच-बीच में धमकी और चेतावनी देते रहे। ट्रम्प ने यहां तक कह दिया कि उन्होंने ईरान को ‘एक हफ्ते की छुट्टी’ दी है। उनका आशय ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह खामेनेई के अंतिम संस्कार से था, जो 28 फरवरी को अमरीकी-इसराईली हमले में मारे जाने के बाद से लंबित था। यह बहुत सभ्य टिप्पणी नहीं थी—और सच यह भी है कि नौ जुलाई को अंतिम संस्कार की रस्में पूरी होने से पहले ही 7 जुलाई को ईरान पर फिर हमले शुरू हो गए। खामेनेई के जनाजे से उनके उत्तराधिकारी बने बेटे मोजतबा सुरक्षा कारणों से दूर ही रहे। जाहिर है, जनाजे में ट्रम्प विरोधी नारे भी लगे। इसीलिए अब ट्रम्प खुद को ईरान का सबसे बड़ा ‘टारगेट’ मानते हुए अपनी सुरक्षा में अत्यधिक सतर्कता बरत रहे हैं।

ट्रम्प ने शांति समझौता तोड़ फिर हमलों के लिए ईरान द्वारा स्टेट ऑफ होम्रुज में तीन कमर्शियल जहाजों पर फायरिंग को कारण बताया है। बेशक जब शांति समझौता हो चुका था, जिस पर अमल का रोडमैप 60 दिनों में तय करने के लिए वार्ताएं जारी थीं, तब ईरान को भी होम्रुज में भड़काने वाली इस कार्रवाई से बाज आना चाहिए था, क्या ट्रम्प ऐसे किसी मौके की तलाश में ही थे? बिना तैयारी के तो वैसे जबरदस्त हमले तत्काल नहीं हो सकते, जैसे किए गए। दो दिन में ईरान के 170 से अधिक सैन्य या उससे जुड़े ठिकानों पर हमले किए गए। बेशक ईरान ने भी खाड़ी में स्थित कुवैत, कतर और

बहरिन सरीखे अमरीका के मित्र देशों पर पलटवार करने में देर नहीं लगाई। उसी दौरान ईरान को तेल बेचने के लिए दी गई अमेरिकी अनुमति भी रद्द करने की खबर आई।

ऐसे में यह संदेह होता है कि क्या शांति वार्ता से मनमाफिक परिणाम न निकलने पर ट्रम्प ने और दबाव बढ़ाने के लिए हमलों का विकल्प चुना? आप सोच सकते हैं कि युद्ध कोई खेल नहीं, जिस घनमाफिक समझौते के लिए दावपेंच की तरह इस्तेमाल किया जाए, पर महाशक्तियों के लिए तो युद्ध खेल भी है और मुनाफे का कारोबार भी। मूलत्-मुनाफाखोर कारोबारी ट्रम्प ने खुद माना कि जब विश्व ऊजां खपत के 20-22 प्रतिशत हिस्से के आयात का समुद्री मार्ग होम्रुज बंद था, तब अमरीका ने चोरी-चोरी भारी मात्रा में तेल वहां से निकाला।

जाहिर है, वह तेल ऊंचे दामों पर बेचा भी गया। नेतन्याहू का ‘ग्रेटर इसराईल’ का एजेंडा भी किसी से छिपा नहीं है। ईरान के कट्टरपंथी नेतृत्व के मंसूबे भी विश्व शांति के तो हरगिज नहीं। यह आईने की तरह साफ हो गया है कि तीनों ही संबंधित पक्ष अपने-अपने निहित स्वार्थों में उलझे हैं। उनका न विश्व शांति से कोई सरोकार है और न ही न्यायपूर्ण वैश्विक व्यवस्था से। इसलिए समय और समझ, दोनों का तकाजा है कि विश्व व्यवस्था को इनका बंधक बनने से बचाने के लिए शेष विश्व एकजुट हो कर मुखर हो। बेशक कुछ छोटे देशों ने इस युद्धोन्माद के बीच शांति-समझौता वार्ताओं की पलट की, लेकिन शायद वे कोई नैतिक या कूटनीतिक दबाव बनाने की स्थिति में नहीं रहे। इसलिए अब भारत, चीन, रूस, फ्रांस और जर्मनी जैसे देशों को समान विचार वाले अन्य देशों के साथ मिल कर अमरीका-इसराईल-ईरान पर यह दबाव बनाना चाहिए कि वे संवाद के जरिए आपसी विनाश का मनमाना नहीं, तर्कसम्मत और न्यायपूर्ण समाधान निकालें, क्योंकि उन्हें अपने निहित स्वार्थों और सनक के लिए शेष विश्व की शांति और अर्थव्यवस्था को बंधक बनाने नहीं दिया जा सकता।

ये उपाय बचाते हैं किसी बुरी नजर या टोने-टोटकों के अशुभ प्रभाव से



अपने घर के मुख्य दरवाजे पर भगवान श्रीगणेश की मूर्ति स्थापित करें और सुबह उठकर उन्हें प्रणाम करें। इसके बाद अपने द्वार, देहली व सीढ़ी आदि पर पानी का छिड़काव करें। ऐसा करने से टोने-टोटके का प्रभाव नहीं पड़ता। नीम, बबूल या आम में से किसी पेड़ की टहनी पत्तियों सहित मुख्य दरवाजे पर लटकाएं।

घर सुखी तो मन सुखी, मन सुखी तो तन सुखी। पर कभी कभी हमें हमारे घर को लगता है ना जाने किसकी नजर लग गई होती है सब बुरा ही होने लगता है। क्या आपको लगता है कि किसी ने आपके घर पर टोना-टोटका किया है जिसके कारण आपके परिवार पर इसका अशुभ प्रभाव पड़ रहा है तो हम आपको बता रहे हैं टोने-टोटको से बचने के साधारण व अचूक उपाय। इन उपायों को करने से आपके घर व परिवार पर किसी टोने-टोटके का प्रभाव नहीं पड़ेगा। यह उपाय इस प्रकार हैं- अपने घर के मुख्य दरवाजे पर भगवान श्रीगणेश की मूर्ति स्थापित करें और सुबह उठकर उन्हें प्रणाम करें। इसके बाद अपने द्वार, देहली व सीढ़ी आदि पर पानी का छिड़काव करें। ऐसा करने से टोने-टोटके का प्रभाव नहीं पड़ता। नीम, बबूल या आम में से किसी पेड़ की टहनी पत्तियों सहित

मुख्य दरवाजे पर लटकाएं। शनिवार के दिन सात हरी मिर्च के बीच एक नींबू काले धागे में पिरोकर मुख्य द्वार पर लटकाएं। इससे भी बुरी नजर नहीं लगेगी। सप्ताह के किसी एक दिन घर की साफ-सफाई करने के बाद एक बाल्टी पानी में थोड़ी शक्कर और दूध डालकर कुश से उसका छिड़काव पूरे घर में करें। आखिर में शेष पानी को दरवाजे के दोनों ओर थोड़ा-थोड़ा डाल दें। अमावस के दिन एक ब्राह्मण को भोजन अवश्य कराएं। इससे आपके पितर प्रसन्न होंगे और आपके घर व परिवार को टोने-टोटको के अशुभ प्रभाव से बचाएं। कुछ लोग ऐसे होते हैं जिनके घर में पैसों का आगमन बिल्कुल कम होता है। उस घर के सदस्य कमते तो बहुत हैं लेकिन घर में पैसा नहीं आ पाता। दूसरे कामों में ही खर्च हो जाता है। अगर ऐसा हो तो ऐसा करने से घर में पैसों का आगमन होगा और सुख-शांति भी बनी रहेगी। शुक्ल

पक्ष के बुधवार की शाम को किसी केले के पौधे के समीप जाएं। उस पर जल चढ़ाएं। हल्दी से तिलक करें और गुरु बृहस्पति का ध्यान कर पौधे से अगले दिन (गुरुवार को) थोड़ी सी जड़ ले जाने की आज्ञा मांगें। दूसरे दिन सूर्य निकलने पर स्नान कर केले के पेड़ की पूजा करें और लकड़ी के एक टुकड़े से पौधे की जड़ खोदकर निकाल लें और घर ले जाएं। इस जड़ को गंगाजल से धोकर केसर के जल में डाल दें। घी का दीपक जलाकर ऊँ बूं बृहस्पते नमः मंत्र की एक माला का जप करें और उस जड़ को जल से निकालकर पीले कपड़े में लपेटकर अपनी तिजोरी में रखें। इसके बाद प्रति गुरुवार को उस जड़ को केसर धुले गंगाजल में स्नान कराकर पुनः उस पीले कपड़े में बांध कर इस मंत्र का जप करें और पुनः तिजोरी में रखें। जब भी ऐसा करें जरूरतमंदों को दान दें व बच्चों को मिठाई अवश्य खिलाएं। इस तरह आपके घर में धन का आगमन होने लगेगा। अगर नौकरी से जुड़ी समस्या हो तो शनिवार को हनुमानजी के मंदिर में जाकर सवा किलो मोतीचूर के लड्डुओं का भोग लगाएं। घी का दीपक जलाएं और मंदिर में ही बैठकर लाल चंदन की या मूंगा की माला से 108 बार नीचे लिखे मंत्र का जप करें-

कवन सो काज कठिन जग माही।
जो नहीं होय तात तुम पाहिं।।

इसके बाद 40 दिनों तक रोज अपने घर के मंदिर में इस मंत्र का जप 108 बार करें। 40 दिनों के अंदर ही आपको रोजगार मिलेगा। शनैश्चरी अमावस्या के दिन एक कागजी नींबू लें और शाम के समय उसके चार टुकड़े करके किसी चौराहे पर चारों दिशाओं में फेंक दें। इसके प्रभाव से भी जल्दी बेरोजगारी की समस्या दूर हो जाएगी। मंगलवार से प्रारंभ करते हुए 40 दिनों तक रोज सुबह के समय नंगे पैर हनुमानजी के मंदिर में जाएं और उन्हें लाल गुलाब के फूल चढ़ाएं। ऐसा करने से भी शीघ्र ही रोजगार मिलता है। इंटरव्यू में जाने से पहले

लाल चंदन की माला से नीचे लिखे मंत्र का 11 बार जप करें-

ऊँ वक्रतुण्डाय हुं
जप से पूर्व भगवान गणेश की पूजा करें और गणपति अथर्वशीर्ष का पाठ करते हुए दूध से अभिषेक करें। इस से हर बाधा हो जाएगी दूर सुबह उठकर नहाकर साफ पीले कपड़े पहनें। इसके बाद आसन बिछाकर पूर्व दिशा की ओर मुंह करके बैठ जाएं और 7 हल्दी की साबूत गांठे, 7 जनेऊ, 7 पूजा की छोटी सुपारी, 7 पीले फूल व 7 छोटी गुड़ की ढेली एक पीले रंग के कपड़े में बांध लें। अब भगवान सूर्य का स्मरण करें और अपनी मनोकामना पूर्ति के लिए प्रार्थना करें। यह पोटली घर में कहीं ऐसी जगह रख दें जहां कोई और उसे हाथ न लगाए। जब आपका कार्य हो जाए तो यह पोटली किसी नदी या तालाब में प्रवाहित कर दें।

अगर आप खुद का व्यवसाय करना चाहते हैं लेकिन समझ में नहीं आ रहा है कि वहां का वास्तु कैसा हो, तो हम आपकी मदद कर सकते हैं। हर किसी का सपना होता है कि वह अपने बिजनेस से अधिक से अधिक मुनाफा कमाए लेकिन सभी की यह मनोकामनाएं पूरी नहीं हो पाती।

अगर आपके ऑफिस में मालिक के बैठने का सही स्थान या फिर रिसेशन की लोकेशन कहां होनी चाहिये जैसी महत्वपूर्ण जानकारी पता चल जाए तो समझलिये कि आप दिन दूनी रात चौगनी तरक्की करेंगे।

तो देर मत कीजिये और पढिये वास्तु अनुसार कैसा होना चाहिये आपका ऑफिस। ऑफिस के मालिक के बैठने की जगह: ऑफिस के मालिक के बैठने का स्थान दक्षिण पश्चिम कोने में होना चाहिए और बैठते समय उत्तर की तरफका सामना करना चाहिए।

कोई बाधा नहीं होनी चाहिये:

कार्यालय का प्रवेश द्वार बिल्कुल सीधा होना चाहिये। वहां कोई ऐसी चीज ना रखी हो जो आपको सीधे घुसने से रोक रही हो। मतलब ऑफिस का एंट्रेंस बिल्कुल साफऔर सीधा हो।



पंचक का नाम सुनते ही सनातन धर्म को मानने वाले,वैदिक ज्योतिष के समर्थक सतर्क हो जाते हैं। उस पर उनके परिवार में कोई बीमार हो, बचने की उम्मीद न हो तो वह भगवान से यही मनाते हैं कि-हे प्रभु, पंचक में इनकी मृत्यु न हो। अगर हो गई तो ये अपने साथ परिवार के चार सदस्यों को ओर ले जाएंगा। जनसाधारण के मन में इसे लेकर गहरा डर बैठा हुआ है। अब जानते हैं कि यह कैसे बनता है। पंचक अर्थात पांच नक्षत्रों का समूह-धनिष्ठा के स्वामी मंगल,

शतभिषा के स्वामी राहु, पूर्वाभाद्रपद के बृहस्पति, उत्तराभाद्रपद के शनि और रेवती के स्वामी बुध आदि से बनता है। पंचक में शामिल सभी नक्षत्र मृत्यु आदि में अद्भुत माने गए हैं। किसी सनातन धर्म को मानने वाले के यहां जब मृत्यु होती है उसके यहां गरुड पुराण का पाठ मृतक को शांति प्रदान करने और शोकाकुल परिवार का दुख दूर करने के लिए किया जाता है। इसमें परिवार के सभी सदस्य और नजदीकी रिश्तेदार शामिल होते हैं। अमूमन 8 दिन चलने वाली यह कथा अब समय के अभाव के कारण

ये 8 उपाय करने पर भगवान शिव होगे प्रसन्न

भगवान शिव को भोलेनाथ इसलिए कहा जाता है क्योंकि वह जल्द प्रसन्न हो जाते हैं। यदि पूरी आस्था से शिव का ध्यान किया जाए तो वह शिवभक्तों की पुकार जरूर सुनते हैं। इसके लिए भगवान शिव की पूजा करने से पहले आप कुछ उपाय आजमा सकते हैं।

इन सभी उपायों का उल्लेख शिवमहापुराण में मिलता है।

- भगवान शिव को अक्षत यानी चावल अर्पित करें। इसके साथ तिल अर्पित करने से भी वह जल्द प्रसन्न हो जाते हैं।
- भगवान शिव को लाल और सफेद फूल बहुत प्रिय हैं। इसलिए शिव पूजा में इन्हीं रंगों के फूलों का शामिल करें।
- शिवपुराण के अनुसार यदि शमी के वृक्ष के पत्तों से शिव पूजा करने से मोक्ष मिल सकता है।
- इनके अलावा जूही, कनेर बेला के फूलों से भी पूजन करना चाहिए।
- प्रत्येक सोमवार और सावन माह में 21 बिल्वपत्रों पर चंदन से 'ऊं नमः शिवाय' लिखकर शिवलिंग पर चढ़ाएं। इससे आपकी सभी मनोकामनाएं पूरी हो सकती हैं।
- यदि विवाह में देर हो रही हो तो सावन में रोज शिवलिंग पर केसर मिला हुआ दूध चढ़ाएं। इससे जल्दी ही आपके विवाह योग बनेंगे।
- भगवान शिव को जौ अर्पित करने से सुख में वृद्धि होती है। भगवान शिव को गेंहू चढ़ाने से संतान वृद्धि होती है।



वास्तु टिप्स: जानिये वास्तु अनुसार कैसा होना चाहिये ऑफिस



वास्तु टिप्स के अनुसार ये चीजे ना रखें अपने घर में

सेंटर हमेशा खाली रखें: ऑफिस स्पेस या काम करने की जगह का सेंटर खाली रखें। अगर आप क्यूबिकल में बैठते हैं तो, उसके सेंटर में गोला बनाएं और उसमें मौजूद कोई भी चीज का प्रयोग ना करें।

रिसेशन की लोकेशन: अगर आप बिजनेस चला रहे हैं, तो सुनिश्चित करें कि रिसेशन उत्तर-पूर्वी भाग में स्थित हो। जब रिसेशनिस्ट कस्टमर या क्लायंट से बात करे तो, उसका मुख उत्तरी या पूर्वी दिशा में होना चाहिये। ऐसा करने से नए अवसर प्राप्त होते हैं।

पानी की शक्ति का प्रयोग: ऑफिस में बहता हुआ पानी काफी फायदेमंद साबित हो सकता है। आप अपने ऑफिस के अंदर फाउंटेन आदि का प्रयोग कर सकते हैं। इसे ऑफिस के उत्तरी या पूर्वी

इसे कार्यालय के दक्षिण पूर्वी भाग में बनाना चाहिये। यह दिशा समृद्धि दिलाता है और अधिक रिटर्न को आकर्षित करता है। इस दिशा में है कि समृद्धि के लिए खुदा है और जब लेखा विभाग वहाँ रखा जाता है, यह अधिक रिटर्न को आकर्षित करने में सक्षम हो जाएगा।



पंचक में मृत्यु, भय का विषय नहीं

एक दिन की हो गई है। उसी गरुड पुराण से हमारा पंचक से उत्पन्न डर भी दूर होता है। इसमें साफ-साफलिखा है कि अगर पंचक में किसी की मृत्यु हो जाए तो उसमें कुछ सावधानियां बरतना चाहिए। सबसे पहले तो दाह-संस्कार संबंधित नक्षत्र के मंत्र से आहुति देकर नक्षत्र के मध्यकाल में किया जा सकता है। विधि विधान से की गई आहुति पुण्यफल प्रदान करती हैं। साथ ही अगर संभव हो दाह संस्कार तीर्थस्थल में किया जाए तो उत्तम गति मिलती है। दाह संस्कार करने वाले ब्राह्मणों को इसके साथ ही अभिमंत्रित कुश के बने चार पुतलों को पार्थिव देह के समीप रखना चाहिए। साथ ही नियमपूर्वक मंत्रसहित विधिपूर्वक यह काम करना चाहिए। पुतलों सहित फिर देह का दाह संस्कार करना धर्मसम्मत माना जाता है। साथ ही शोकाकुल परिवार जब सूतक की समय सीमा समाप्त हो तो मृतक की संतान को शक्तिमंद अवश्य करना चाहिए। हां, जब तक पंचक की शांति न हों तब तक न तो अंतिम

यात्रा निकलनी चाहिए और न ही मृत प्राणी के लिए जल प्रदान करना चाहिए। अगर यह सब होता है तो वह अद्भुत फल प्रदान करता है। यह तो आप जानते ही हैं कि पंचक में ब्राह्मण आदि समस्त जातियों का दाह संस्कार-बलिकर्म पंचक की शांति होने तक नहीं किया जा सकता। मृतक को सद्गति प्राप्त हो इसलिए तिल, गाय, संभव हो तो सोना और घी का दान जरूरतमंदों को करना चाहिए। इससे सभी प्रकार के डर समाप्त हो जाते हैं। परिवार के सदस्य पीपल, तुलसी, आंवला का वृक्ष मृतक की याद में लगाए तो भी बहुत लाभ होता है। साथ ही नियमानुसार हर अमावस्या पर मृतक के लिए बराबर तिल मिश्रित जल से तर्पण करना चाहिए। संभव हो तो विप्र भोजन दक्षिणा सहित होना चाहिए। श्राद्धपर्व के 16 दिन तो अवश्य विधि-विधान से श्राद्ध होना चाहिए। अगर यह सब किया जाए तो मृतक को सद्गति प्राप्त होती है और परिवार के सदस्यों को सुख, समृद्धि और शांति मिलती है।

यदि शादी में मुश्किलें आ रही हो तो करें ये उपाय



कुछ लोग ऐसे होते हैं जिनकी शादी में काफी मुश्किलें आती हैं। कई बार तो यह लोग काफी निराश हो जाते हैं। लेकिन उन्हें निराश होने की कोई जरूरत नहीं है, पूर्णिमा के अवसर पर यदि वे नीचे लिखे उपाय विधि-विधान से करेंगे तो न सिर्फउनका विवाह जल्दी होगा बल्कि उन्हें मनचाहा जीवन साथी भी

मिलेगा।

उपाय— गरीबों को अपने सामर्थ्य के अनुसार पीले फल जैसे- आम, केला आदि का दान करें। इस दिन नया पीला रुमाल अपने साथ में रखें। भगवान विष्णु के मंदिर में जाकर बेसन के लड्डु चढ़ाएं। लड्डु के साथ सेहरे की कलगी भी चढ़ाएं। यह शीघ्र विवाह का अचूक

बुद्धि संसार की सबसे बड़ी शक्ति है



किसी अच्छाई या बुराई का मानदंड मूढ़ के लिए केवल दूसरों द्वारा उसे अच्छा या बुरा कह देना मात्र होता है। इनमें विवेक और बुद्धि का अभाव होता है।

बुद्धि संसार की सबसे बड़ी शक्ति है। जिसके पास बुद्धि है, उसके लिए सृष्टि का कोई भी कार्य ऐसा नहीं जिसे वह न कर सकता हो। अकारण दूसरों को हानि पहुंचाने और निंदा करने में दुर्जन आनंद पाते हैं। मूर्ख होने के कारण दुर्ज के अभाव में वे भले लोगों के लिए संकट बन जाते हैं। मनस्वी एक बार जो बात स्वीकार लेते हैं, उससे संकट में भी विचलित नहीं होते। पर्वतीय नदी की धारा की तरह वे एक बार आगे बढ़ जाने पर पीछे मुड़ना नहीं जानते तेजस्वी का तेज प्रतिकूल परिस्थितियों में और अधिक उदीप्त होता है। लक्ष्य महान होने के कारण अपने से शक्तिहीन लोगों पर तेज नहीं प्रकट किया जाता। तेजस्वी के सामने अक्याय नहीं टिकता। तेजस्विता जन्मजात होने से किसी समय प्रभाव दिखा देती है। प्राणान्त

होने पर सम्मान बचाते हैं। एक बार कार्य स्वीकार कर लेने पर उसे पूरा करके ही मानते हैं।दयालु और कारुणिक होने से दूसरे के दुख को देखकर इनका हृदय पिघल जाता है। इन्हें धन, जीवन का कोई मोह नहीं होता, केवल अपने यश और मान की चिंता रहती है। अपने द्वार से किसी को खाली हाथ लौटाने को महापुरुष मृत्यु से बढकर मानते हैं। संकट और प्रतिकूलताएं उन्हें विचलित नहीं करती। परमसिद्धि की साधना से निकली वणी सत्य की तरह होती है। क्रोध महाविनाशक और करुणा महान उपकारक होती है। जहां इनके चरण पड़ते हैं, वह स्थान तीर्थ सा पावन हो जाता है। अन्याय करने वाले के सर्पण पर क्षमा कर देते हैं। सज्जन सद्गुणों के अवतार होते हैं। सरल, सौम्य रहते हैं। दूसरे संत के

आमिर खान लव जिहाद के ब्रांड एंबेसडर: राणे

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान की तीसरी शादी को लेकर महाराष्ट्र सरकार में मंत्री और भाजपा नेता नितेश राणे ने तीखी प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने आमिर खान पर निशाना साधते हुए उन्हें %लव जिहाद के ब्रांड एंबेसडर% तक कह दिया. राणे का यह बयान अब राजनीतिक और सामाजिक बहस का विषय बन गया है. मीडिया से बातचीत में नितेश राणे ने कहा कि हिंदू समाज, खासकर युवाओं को यह सोचने की जरूरत है कि वे किन लोगों को अपना आदर्श मान रहे हैं. उन्होंने कहा कि जब बड़े सेलिब्रिटी अपनी निजी जिंदगी से जुड़े फैसले लेते हैं, तो उनका असर समाज पर भी पड़ता है. राणे ने कहा, %जो हिंदू धर्म के युवा उन्हें सेलिब्रिटी मानते हैं, उन्हें यह सोचना चाहिए कि उनसे क्या प्रेरणा लेनी है. जब ऐसे लोग अपनी निजी जिंदगी के बारे में फैसले लेते हैं, तो हिंदू समाज को भी इस पर विचार करना चाहिए. लव जिहाद के ब्रांड एंबेसडर कौन हैं ? आमिर खान बनते नहीं जा रहे।

उमर के ऑपरेशन लोटस वाले आरोप पर बीजेपी ने मांगे सबूत

जम्म। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा बीजेपी पर उनकी सरकार गिराने और विधायकों की खरीद-फरोख्त की कोशिश करने का आरोप लगाने के बाद सियासी विवाद गहरा गया है. बीजेपी ने मुख्यमंत्री से आरोपों के समर्थन में सबूत पेश करने या सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की है. बीजेपी ने चेतावनी दी है कि यदि आरोप साबित नहीं किए गए तो उमर अब्दुल्ला के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया जाएगा.नेशनल कॉन्फेंस के कार्यकर्ताओं के एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए शनिवार को उमर अब्दुल्ला ने दावा किया कि बीजेपी से जुड़े एक सुप्रीम कोर्ट के वकील उनकी पार्टी के विधायकों को पैसे और मंत्री पद का लालच देकर अपने साथ लाने की कोशिश कर रहे हैं. उमर अब्दुल्ला ने कहा, नेशनल कॉन्फ्रेंस को तोड़ने की कोशिश की जा रही है. पहले पैसे और मंत्री पद का लालच दिया गया।

ना खाऊंगा, ना खाने दूंगा का नारा साबित हुआ खोखला

नई दिल्ली। कांग्रेस ने देश में उजागर हो रहे विभिन्न भ्रष्टाचार के मामलों को लेकर केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा राजनीतिक हमला बोला है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा, कि प्रधानमंत्री का वर्ष 2014 में दिया गया ना खाऊंगा, ना खाने दूंगा का नारा वास्तविकता में खोखला साबित हुआ है। उन्होंने दावा किया कि सरकार के कार्यकाल में कई ऐसे मामले सामने आए हैं, जिनसे भ्रष्टाचार विरोधी दावों पर सवाल खड़े होते हैं|कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट जारी करते हुए कहा, कि मई 2014 में सत्ता संभालने के बाद प्रधानमंत्री ने भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्रवाई का वादा किया था, लेकिन समय के साथ यह दावा खोखला साबित हुआ। कांग्रेस नेता ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नोटबंदी पर दिए गए उस बयान का भी उल्लेख किया, जिसमें उन्होंने इसे संगठित लूट और कानूनी रूप से वैध उधारी गई लूट बताया था।

माया ने की आशुतोष को आशीर्वाद, नरोत्तम की तारीफ

भोपाल। मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और पूर्व केंद्रीय मंत्री उमा भारती ने इन दिनों उत्तर प्रदेश के वृंदावन में हैं. उमा भारती ने दतिया उपचुनाव को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया है. उमा भारती ने दतिया सीट से भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के उम्मीदवार आशुतोष तिवारी को जीत का आशीर्वाद दिया है.उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर कहा है कि वृंदावन में हूं. आशुतोष तिवारी ने कल मुझे फोन करके जीत का आशीर्वाद मांगा. उमा भारती ने कहा कि आशुतोष तिवारी को उन्मुक्त मन से जीत का आशीर्वाद दिया. उन्होंने नरोत्तम मिश्रा की भी तारीफ की है. उमा भारती ने कहा है कि आशुतोष तिवारी की उम्मीदवारी का ऐलान होने के बाद नरोत्तम मिश्रा को यह कहते सुना कि वह उनके नामांकन में शामिल होंगे.मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री ने नरोत्तम मिश्रा के आशुतोष तिवारी के नामिनेशन में शामिल होने के फैसले को आदर्श उदाहरण बताया।

देश बदलना है तो खुद जिम्मेदारी उठाएं: वांगचुक

नई दिल्ली। सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन में भूख हड़ताल पर बैठे हैं. 22 दिन से जारी इस प्रदर्शन में वांगचुक 28 जून को शामिल हुए थे और उनके अनिश्चितकालीन अनशन को अब 15 दिन हो गए हैं. इस बीच उन्होंने खुद को आधुनिक गांधी या कोई हीरो मानने से साफ इनकार कर दिया है. वांगचुक ने लोगों से अपील की कि वो देश को बदलने के लिए किसी दूसरे नेता या मसीहा का इंतजार न करें, बल्कि खुद एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में आगे आएँ. भूख हड़ताल पर बैठे वांगचुक कहा, %में कोई हीरो नहीं, बल्कि सिर्फ एक आम नागरिक हूं. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में वांगचुक ने अपना हेल्थ अपडेट शेयर किया. उन्होंने कहा, आज मेरे उपवास का 13वां दिन है. मैं कल जितना ऊर्जावान महसूस नहीं कर रहा हूं और थोड़ी थकान है. ऐसा होता है, कुछ दिन अच्छे होते हैं और कुछ दिन नहीं. सोशल मीडिया पर मिल रहे समर्थन के लिए लोगों का आभार जताते हुए वांगचुक ने कहा, टकई लोग मुझे 21वीं सदी का गांधी या आधुनिक गांधी कह रहे हैं।

ममता के एक और फैसले को शुभेंद्रु ने पलटा

खेला होबे की जगह आयुष्मान दिवस मनाया जाएगा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवंदु अधिकारी ने घोषणा की कि उनकी सरकार केंद्र सरकार की जन स्वास्थ्य बीमा योजना के सम्मान में 16 अगस्त को आयुष्मान दिवस के रूप में मनाएगी। यह कदम पिछली तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार द्वारा मनाए जाने वाले खेला होबे दिवस की परंपरा को समाप्त करेगा।

यह दिन राज्य में सुवंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के 100 दिन पूरे होने का भी प्रतीक होगा। विधानसभा चुनाव में शानदार जीत के बाद भाजपा ने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी सरकार को सत्ता से बाहर कर दिया था।

पूर्वी मेदिनीपुर जिले के तमलुक में भाजपा की एक विशेष संगठनात्मक बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए अधिकारी ने कहा, 16 अगस्त कोलकाता के इतिहास का एक काला दिन है, क्योंकि इसी तारीख को सुहरावर्दी के नेतृत्व में ग्रेट कलकत्ता किलिंस हुई थी। पिछली टीएमसी सरकार इस दिन को खेला होबे दिवस के रूप में मनाती थी। हमारी सरकार ने फैसला किया है कि अब इस दिन को आयुष्मान दिवस के रूप में मनाया जाएगा। कार्यक्रम को विस्तृत जानकारी जल्द साझा की जाएगी।

अधिकारी 16 अगस्त 1946 को ऑल इंडिया मुस्लिम लीग द्वारा आयोजित डायरेक्ट एक्शन डे का जिक्र कर रहे थे। उस दिन मुस्लिम लीग ने पाकिस्तान की मांग को लेकर देशव्यापी हड़ताल और आर्थिक गतिविधियां बंद कर प्रत्यक्ष कार्रवाई का अह्दान किया था।

राजनीतिक प्रदर्शन के रूप में शुरू हुआ यह घटनाक्रम जल्द ही ब्रिटिश भारत की



सबसे भीषण सांप्रदायिक हिंसा में बदल गया, जिसे ग्रेट कलकत्ता किलिंस के नाम से जाना जाता है। कई दिनों तक कोलकाता में हिंदू और मुस्लिम समुदायों के बीच हिंसक झड़पें होती रहीं।

हालात सामान्य होने तक करीब 4,000 लोगों की मौत हो चुकी थी, 10,000 से अधिक लोग घायल हुए थे और हजारों परिवार बेघर हो गए थे। इस हिंसा ने सांप्रदायिक विभाजन को और गहरा कर दिया तथा इसे भारत के विभाजन की प्रक्रिया को तेज करने वाली महत्वपूर्ण घटनाओं में माना जाता है।

मुस्लिम लीग के नेता हुसैन शहीद सुहरावर्दी उस समय ब्रिटिश भारत के अविभाजित बंगाल प्रांत के मुख्यमंत्री थे।

हाल के वर्षों में पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 2021 के विधानसभा चुनाव में टीएमसी की जीत के बाद 16 अगस्त को खेला होबे दिवस घोषित किया था। इसका उद्देश्य युवाओं में खेलों को बढ़ावा देना और जीत का जश्न मनाना बताया गया था। हालांकि, राज्य के तनावपूर्ण राजनीतिक माहौल में यह दिन कई बार राजनीतिक टकराव और हिंसा से भी जोड़ा गया।

इस अवसर पर पूरे राज्य में फुटबॉल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती थीं और

खिलाड़ियों के बीच खेल सामग्री वितरित की जाती थी। ममता बनर्जी ने इसे ग्रामीण स्तर पर खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने और युवाओं को खेलों से जोड़ने की पहल बताया था।

अधिकारी ने कहा कि 16 अगस्त को आयुष्मान दिवस के कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि 70 वर्ष से अधिक उम्र के सभी नागरिक स्वतः इस योजना के पात्र होंगे। इसके अलावा जो लोग योजना की पात्रता पूरी करते हैं, उन्हें भी इसमें शामिल किया जाएगा। इससे लगभग 70 प्रतिशत लाभार्थियों को कवर किया जाएगा। बाकी 30 प्रतिशत लोगों को मुख्यमंत्री स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत शामिल किया जाएगा और दोनों योजनाएं एक साथ लागू की जाएंगी।

महिलाओं के लिए शुरू की गई अन्नपूर्णा योजना (जिसने टीएमसी सरकार को लक्ष्मी भंडार योजना का स्थान लिया है) के तहत कुछ लाभार्थियों को प्रत्यक्ष नकद हस्तांतरण का लाभ नहीं मिलने के आरोपों पर अधिकारी ने कहा कि केंद्र की हर योजना के अपने नियम होते हैं और केवल पात्र लोगों को ही लाभ मिलता है। उन्होंने कहा कि अन्नपूर्णा योजना के तहत 1.2 करोड़ से अधिक महिलाओं के खातों में राशि भेजी जा चुकी है। इसका मतलब है कि प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में औसतन 35,000 से 40,000 महिलाओं को लाभ मिला है। सत्यापन की प्रक्रिया 30 अगस्त तक चलेगी। जो पात्र पाए जाएंगे उन्हें योजना में शामिल किया जाएगा और जो अपात्र होंगे उन्हें सूची से हटा दिया जाएगा।

आगामी नंदीग्राम उपचुनाव में भाजपा की संभावनाओं पर पूछे गए सवाल के जवाब में अधिकारी ने कहा कि स्थानीय

सेंसेक्स में 4 7 अंकों की

उछाल, निफ्टी 24,211 पर बंद

नईदिल्ली। कारोबारी सप्ताह के सत्र में भारतीय शेयर बाजार ने दिनभर उतार-चढ़ाव के बाद मजबूत रिकवरी दिखाई। शुरुआती डबाव के बावजूद निफ्टी 24,000 के अहम स्तर के ऊपर टिके रहने में सफल रहा, जिससे बाजार का रुख अंत तक सकारात्मक बना रहा। आईटी शेयरों में खरीदारी के दम पर सेंसेक्स और निफ्टी दोनों मामूली बढ़त के साथ बंद हुए। कारोबार के अंत में बीएसई सेंसेक्स 47.01 अंक (0.06%) की बढ़त के साथ 77,616.40 पर बंद हुआ। वहीं एनएसई निफ्टी 50 भी 4.10 अंक (0.02%) चढ़कर 24,211 के स्तर पर बंद हुआ। दिन के निचले स्तर से बाजार ने अच्छी रिकवरी दर्ज की, जिससे निवेशकों का भरोसा कायम रहा। आज के कारोबार में आईटी सेक्टर बाजार का सबसे मजबूत हिस्सा रहा। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एचसीएल टेक और टेक महिंद्रा निफ्टी 50 के सबसे ज्यादा बढ़ने वाले शेयरों में शामिल रहे।

देश के 10 बड़े बैंकों में एक

साथ निवेश का मौका

नईदिल्ली। बजाज एसेट मैनेजमेंट लिमिटेड ने नया एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) लॉन्च किया है। कंपनी के न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) बजाज फिनसर्व बीएसई टॉप 10 बैंक ईटीएफ का सम्बन्धितान 13 जुलाई 2026 से खुल गया है और 15 जुलाई 2026 तक निवेश के लिए उपलब्ध रहेगा। यह एक ओपन एंडेड ईटीएफ है, जो क्रश्च ज़रूश्च 10 बीएसई टॉप 10 बैंक टोटल रिटर्न इंडेक्स के प्रदर्शन को ट्रैक करेगा। कंपनी का कहना है कि इस फंड के जरिए निवेशकों को देश के सबसे बड़े और प्रमुख बैंकिंग शेयरों में कम लागत और आसान तरीके से निवेश का अवसर मिल सकेगा। फंड हाउस के मुताबिक, एनएफओ के दौरान इस ईटीएफ में न्यूनतम निवेश राशि 500 रुपये होगी। इसके बाद 1 रुपये के मल्टीपल में निवेश किया जा सकेगा। इस स्कीम में कोई एंट्री या एग्जिट लोड नहीं है।

जुलाई में एफपीआई ने भारतीय

शेयरों में 15,157 करोड़ रु. डाले

नई दिल्ली। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने लगातार चार महीने तक बिकवाली करने के बाद जुलाई में अबतक भारतीय शेयरों में 15,157 करोड़ रुपए से अधिक का शुद्ध निवेश किया है। बेहतर होते घरेलू व्यापक आर्थिक संकेतकों, रुपए की स्थिरता और वैश्विक स्तर पर जोखिम लेने की बढ़ती धारणा से यह रुझान देखने को मिला है। सेंट्रल डिर्पाॅजिटरी सर्विसेज (इंडिया) लिमिटेड (सीडीएसएल) के आंकड़ों के अनुसार, इससे पहले जून में एफपीआई ने 49,340 करोड़ रुपए, मई में 32,963 करोड़ रुपए, अप्रैल में 60,847 करोड़ रुपए और मार्च में 1.17 लाख करोड़ रुपए की शुद्ध निफासी की थी। इस बिकवाली के दौर से पहले फरवरी में विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में 22,615 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया था। हालांकि, जुलाई में एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजार में शुद्ध निवेश किया है।

कीस्टोन रियल्टर्स की जून

तिमाही में बिक्री बुकिंग घटा

नई दिल्ली। रियल एस्टेट क्षेत्र की कंपनी कीस्टोन रियल्टर्स लिमिटेड की बिक्री बुकिंग चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में 42 प्रतिशत घटकर 617 करोड़ रुपए रह गई। कीस्टोन रियल्टर्स लिमिटेड ने वित्त 2025-26 की समान तिमाही में मुख्य रूप से आवासीय संपत्तियों की 1,068 करोड़ रुपए की बिक्री की थी। मुंबई स्थित रियल एस्टेट कंपनी ने वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल-जून तिमाही के लिए अपने तिमाही कारोबारी प्रदर्शन की जानकारी साझा की है। कीस्टोन रियल्टर्स ने कहा, वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में कोई नई परियोजना शुरू करने की योजना नहीं थी। ऐसे में बिक्री मुख्य रूप से मौजूदा परियोजनाओं की स्थिर मांग से समर्थित रही, जो खरीदारों की लगातार रुचि और कंपनी की परियोजनाओं में घर खरीदारों के भरोसे को दर्शाती है।

स्टेल प्रमुख समाचार

भारत और इंग्लैंड के बीच पहला वनडे मैच आज

बर्मिंघम। इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में



(14 जुलाई) से बर्मिंघम के एजबेस्टन में शुरू हो रही इस सीरीज में सभी की नज़रे कप्तान शुभमन गिल, अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा, विराट कोहली और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की वापसी पर होंगी। टी20 सीरीज में मिली करारी हार के बाद भारत के लिए यह सीरीज आत्मविश्वास हासिल करने का बड़ा मौका होगा।

39 वर्षीय रोहित शर्मा और 38 साल के करीब पहुंच चुके विराट कोहली एक बार फिर वनडे टीम की कप्तान संभालने वाले प्रमुख खिलाड़ियों में शामिल हैं। दोनों अनुभवी बल्लेबाजों के सामने सिर्फ़ रन बनाने की ही नहीं, बल्कि पूरी टीम का मनोबल बढ़ाने की भी जिम्मेदारी होगी। इंग्लैंड की तेज और उछाल भरी पिचों पर जोफ्रा आर्चर और जॉश टंग जैसे गेंदबाजों का सामना आसान नहीं होगा। हालांकि, रोहित और विराट का इंग्लैंड के खिलाफ शानदार रिकॉर्ड उन्हें आत्मविश्वास देगा। भारत का मौजूदा इंग्लैंड दौरा अब तक बेहद निराशाजनक रहा है। टीम पहले आयरलैंड से टी20 सीरीज 0-2 से हारी और उसके बाद इंग्लैंड ने पांच मैचों की टी20 सीरीज में भारत को 4-0 से कारण शिकस्त दी। एक मुकाबला बारिश के कारण रद्द हुआ था। लगातार खराब प्रदर्शन के बाद बीसीसीआई ने टीम के प्रदर्शन की समीक्षा का फैसला भी किया है। ऐसे में वनडे सीरीज भारतीय टीम के लिए सम्मान बचाने का मौका होगा।

भारतीय टीम: शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन, वॉशिंग्टन सुंदर, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, अशंदीप सिंह, गुरनूर बरार, प्रिंस यादव।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/

प्रमुख समाचार

अजीत रनाडे

गत 27 जून को राष्ट्रीय एमएसएमई दिवस पर देशभर में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को रोजगार, औद्योगिक उत्पादन और निर्यात की रीढ़ बढाते हुए खूब प्रशंसा की गई। इसके ठीक तीन दिन बाद जीएसटी की नौवीं वर्षगांठ भी मनाई गई। लेकिन इन दोनों आयोजनों के बीच एक कड़वी हकीकत यह है कि भारत के छोटे उद्यमियों को आज भी औपचारिक अर्थव्यवस्था में आने का कोई आसान या व्यावहारिक रास्ता नहीं सूझ रहा है। नीतियों के ऐसे चक्रव्यूह में फंसे हैं जहां बड़ी कंपनियां उनका भुगतान अटकाए रखती हैं और दूसरी तरफ हमारा कर ढांचा उनसे उस आयर पर भी तुरंत कर्मचारी चाहता है, जो उसे अभी तक मिली ही नहीं है। यही विरोधाभास छोटे कारोबारियों के लिए दोहरी मार बन गया है।

परिणामस्वरूप छोटे कारोबारियों का नकदी प्रवाह पूरी तरह बिगड़ जाता है और उनका अस्तित्व संकट में पड़ जाता है। ‘एमएसएमईडी एक्ट 2006’ की धारा 15 कहती है कि यदि लिखित अनुबंध है तो खरीदार को 45 दिनों के भीतर और अनुबंध न होने पर 15 दिनों के भीतर भुगतान करना होगा। देरी पर भारी जुर्माने और चक्रवृद्धि ब्याज का भी प्रावधान है। लेकिन हकीकत में बड़ी निजी कंपनियां और सरकारी संस्थान अक्सर 90, 120 या 180 दिन बाद भुगतान करते हैं।

इस खाई को पाटने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक ने ट्रेड रिसीवेबल्ट्स डिस्काउंटिंग सिस्टम (टीआरडीएस) शुरू किया था, जिससे एमएसएमई अपने बिल बैंकों को बेचकर तुरंत धन प्राप्त कर सकें। लेकिन बड़ी कंपनियां इस कारण इससे जुड़ने या बिलों को मंजूरी देने से कतराती रही हैं कि



टीआरडीएस में भुगतान तिथि पर राशि स्वतः कट जाती है और चूक होने पर उसकी सूचना क्रेडिट ब्यूरो तक पहुंच जाती है। इससे छोटे कारोबारियों का पूरा बजट बिगड़ जाता है। उन्हें या तो कर्मचारियों का वेतन रोकना पड़ता है या फिर वे ऊंचे ब्याज पर बाजार से कर्ज उठाते हैं। कम डिजिटल साक्षरता और खराब इंटरनेट कनेक्टिविटी इस संकट को और बढ़ा देती है।

इन्हीं झंझटों के कारण देश के 7.7 करोड़ असंगठित उद्यमों में से बगुश्किल 10 लाख

सूक्ष्म उद्यम ही जीएसटी में पंजीकृत हैं। जीएसटी नेटवर्क के आंकड़ों के मुताबिक लगभग 70 लाख करदाता ऐसे हैं, जिनका वार्षिक कारोबार एक करोड़ रुपए से कम है। लेकिन जमीनी सर्वेक्षण में वास्तविक रूप से काम कर रहे ऐसे जीएसटी-पंजीकृत प्रतिष्ठानों की संख्या 12 लाख से भी कम मिली। यह भारी अंतर कर चोरी का नहीं, बल्कि अस्तित्व बचाने की मजबूरी है। छोटे कारोबारियों को लगता है कि जीएसटी में शामिल होने का मतलब है खुद का गला घोटना। यही स्थिति छोटे उद्यमियों को एक विचित्र दुविधा में डाल देती है।

जीएसटी में 180 दिन के भीतर भुगतान न होने पर खरीदार से इनपुट टैक्स क्रेडिट वापस लेने का नियम भी अंततः सरकार के लिए फायदेमंद है। अगर कोई खरीदार 180 दिन तक भुगतान नहीं करता, तो कानूनन उसे लिया गया टैक्स क्रेडिट 18 प्रतिशत ब्याज के

साथ सरकार को लौटाना पड़ता है। यदि सरकार वास्तव में एमएसएमई को अर्थव्यवस्था की रीढ़ बनाना चाहती है तो तीन ढांचगत सुधार तुरंत करने होंगे। पहला, एक निश्चित कारोबार सीमा तक के सूक्ष्म उद्यमों को जीएसटी तभी जमा करने की अनुमति मिले, जब भुगतान वास्तव में उनके बैंक खाते में आ जाए। कर वसूली कागजी बिल के बजाय वास्तविक नकदी प्राप्ति पर होनी चाहिए। दूसरा, बेहद सरल और कम इंटरनेट क्षमता पर चलने वाला जीएसटी पोर्टल विकसित किया जाए, जिससे छोटे कारोबारी कमजोर नेटवर्क वाले क्षेत्रों में भी उसका उपयोग आसानी से कर सकें और हर महीने रिटर्न भरने का झंझट कम हो। एमएसएमई वास्तव में भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ बन सकते हैं और मुख्यधारा में शामिल हो सकते हैं, बशर्ते सरकार उन्हें इस नीतिगत चक्रव्यूह और दोहरी मार से समय रहते बाहर निकाले।

रायपुर विकास प्राधिकरण के नए उपाध्यक्ष डॉ. जय प्रकाश शर्मा ने संभाला पदभार

रायपुर रायपुर विकास प्राधिकरण (आरडीए) के नवनियुक्त उपाध्यक्ष डॉ. जय प्रकाश शर्मा ने सोमवार को रायपुर विकास प्राधिकरण कार्यालय में विधिवत रूप से अपना पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर वित्त, आवास एवं पर्यावरण मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

कार्यभार ग्रहण समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने डॉ. जय प्रकाश शर्मा को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि रायपुर के सुनियोजित एवं समग्र विकास में रायपुर विकास प्राधिकरण की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्हें विश्वास है कि डॉ. शर्मा के अनुभव, प्रशासनिक क्षमता और जनसेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता से प्राधिकरण की विकास परियोजनाओं को नई गति मिलेगी तथा नागरिकों को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

समारोह में रायपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री नंद कुमार साहू ने कहा कि डॉ. शर्मा के प्रशासनिक अनुभव, चिकित्सा क्षेत्र में लंबे समय तक किए गए कार्य तथा सामाजिक सरोकारों का लाभ रायपुर विकास प्राधिकरण को मिलेगा। उनके नेतृत्व में प्राधिकरण की विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और जनहितकारी कार्यों को नई दिशा एवं गति मिलेगी। उन्होंने आरडीए के त्वरित निराकरण के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प भी दोहराया।

पदभार ग्रहण करने के बाद डॉ. जय प्रकाश शर्मा ने कहा कि



कुमार साहू ने कहा कि डॉ. शर्मा के प्रशासनिक अनुभव, चिकित्सा क्षेत्र में लंबे समय तक किए गए कार्य तथा सामाजिक सरोकारों का लाभ रायपुर विकास प्राधिकरण को मिलेगा। उनके नेतृत्व में प्राधिकरण की विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और जनहितकारी कार्यों को नई दिशा एवं गति मिलेगी। उन्होंने आरडीए के त्वरित निराकरण के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प भी दोहराया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और राज्य शासन की जनकल्याणकारी नीतियों के अनुरूप रायपुर विकास प्राधिकरण की योजनाओं को अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं जनहितैषी बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि रायपुर शहर के सुनियोजित विकास, आधुनिक अधोसंरचना के विस्तार, गुणवत्तापूर्ण नागरिक सुविधाओं तथा हितग्राही सेवाओं को और अधिक सुलभ एवं प्रभावी बनाने के लिए सभी संबंधित विभागों एवं हितधारकों के साथ समन्वय स्थापित कर समयबद्ध तरीके से कार्य किया जाएगा।

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अध्यक्ष श्री राम प्रताप सिंह, रायपुर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यापालन अधिकारी श्री अरुण शरण सहित अनेक जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी, विभागीय अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

सूडा के नए सीईओ सुमीत ने संभाला कार्यभार

रायपुर। राज्य शहरी विकास अधिकरण (सूडा) के नए सीईओ भारतीय प्रशासनिक सेवा के 2021 बैच के अधिकारी सुमीत अग्रवाल ने आज अपना कार्यभार ग्रहण किया। उन्होंने नवा रायपुर में इंद्रावती भवन स्थित सूडा मुख्यालय में कार्यभार ग्रहण करने के बाद सूडा और नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग



के अधिकारियों की परिचयात्मक बैठक लेकर विभागीय कार्यों एवं योजनाओं की जानकारी ली। अग्रवाल इससे पहले दुर्गा नगर निगम के आयुक्त के रूप में कार्यरत थे।

सूडा के नए सीईओ सुमीत अग्रवाल ने कार्यभार ग्रहण करने के बाद अधिकारियों से कहा कि राज्य के शहरी क्षेत्रों का समग्र विकास और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक समय पर पहुंचाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। हम सभी विभागीय अधिकारियों और तकनीकी टीम के साथ मिलकर छत्तीसगढ़ के नगरीय निकायों को और अधिक सशक्त, पारदर्शी और नागरिक-अनुकूल बनाने के लिए काम करेंगे। उनके कार्यभार ग्रहण करने के दौरान सूडा के अतिरिक्त मुख्य कार्यापालन अधिकारी दुष्यंत कुमार रायस्त, नगरीय प्रशासन विभाग के अपर संचालक पुलक भट्टाचार्य, उप संचालक श्रीमती अर्पिता पाठक, अधीक्षण अभियंता रमेश सिंह, सूडा के उप मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुनील अग्रहार और सचिव कुमार साहू सहित अनेक विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

प्रदेश की औद्योगिक परियोजनाओं के लिए सुदृढ़ हुई विद्युत पारेषण व्यवस्था

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने प्रदेश की पारेषण अधोसंरचना को सुदृढ़ करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला के करकमलों द्वारा 220/132 केवी लिटिया सेमरिया उपकेंद्र में स्थापित 160-160 एमवीए क्षमता के दो 220/132 केवी पावर ट्रांसफार्मरों का सफलतापूर्वक ऊर्जीकरण किया गया। प्रथम ट्रांसफार्मर का ऊर्जीकरण सायं 5.22 बजे तथा द्वितीय ट्रांसफार्मर का ऊर्जीकरण सायं 5.27 बजे किया गया। दोनों ट्रांसफार्मरों के सफल ऊर्जीकरण से उपकेंद्र में 320 एमवीए की अतिरिक्त ट्रांसफॉर्मेशन कैपेसिटी उपलब्ध हो गई है।



परियोजना से राजनांदगांव एवं दुर्ग क्षेत्र की पारेषण व्यवस्था को उल्लेखनीय मजबूती मिलेगी। बढ़ती विद्युत मांग के अनुरूप विद्युत भार का बेहतर प्रबंधन किया जा सकेगा तथा क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण एवं विश्वसनीय विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित होगी। साथ ही भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए पारेषण तंत्र भी अधिक सक्षम बनेगा। प्रबंध निदेशक राजेश कुमार शुक्ला ने इस उपलब्धि पर परियोजना से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि राज्य में औद्योगिक विकास एवं उपभोक्ताओं को

विश्वसनीय विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराने के लिए पारेषण नेटवर्क का निरंतर विस्तार और आधुनिकीकरण किया जा रहा है। लिटिया सेमरिया उपकेंद्र में उपलब्ध हुई अतिरिक्त ट्रांसफॉर्मेशन कैपेसिटी से न केवल वर्तमान विद्युत मांग को बेहतर ढंग से पूरा किया जा सकेगा, बल्कि भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप भी पर्याप्त क्षमता उपलब्ध रहेगी। उन्होंने बताया कि 220/132 केवी लिटिया सेमरिया उपकेंद्र से 132 केवी वोल्टेज स्तर पर राजनांदगांव जिले के पट्टेवा में प्रस्तावित इलेक्ट्रॉनिक मैयूफैक्चरिंग क्लस्टर तथा राजनांदगांव जिले के बिजेभाट में प्रस्तावित औद्योगिक क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराने का मार्ग प्रशस्त होगा।

राज्यपाल से मुलाकात का नहीं मिला समय पीड़ितों के साथ पदयात्रा करेगी कांग्रेस

रायपुर। नवा रायपुर के नकटी गांव में गरीब परिवारों के मकान तोड़े जाने के विरोध में छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस अब सड़क पर उतरने की तैयारी में है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज प्रभावित ग्रामीणों के साथ नकटी गांव से राजभवन तक पदयात्रा निकालेंगे और राज्यपाल को ज्ञापन सौंपकर मामले में हस्तक्षेप की मांग करेंगे।

कांग्रेस का कहना है कि राज्यपाल से मुलाकात के लिए पहले भी समय मांगा गया था, लेकिन अब तक अनुमति नहीं मिल सकी है। इसे लेकर प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गैदू ने राजभवन को पत्र लिखकर समय देने का अनुरोध किया था। इसके बाद समय लेने के लिए एक रिमाइंडर पत्र भी भेजा गया है, ताकि प्रतिनिधिमंडल 15 जुलाई को राज्यपाल से मुलाकात कर अपनी बात रख सके। सरकार

पदयात्रा की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए आज रायपुर स्थित प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गैदू ने की, जिसमें पदयात्रा की रूपरेखा, जिम्मेदारियां और संगठनात्मक तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान उन्होंने समिति के सदस्यों



और पार्टी नेताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने बताया कि बैठक में कई वरिष्ठ नेताओं ने हिस्सा लिया। इनमें पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष धनेन्द्र साहू, पूर्व विधायक विकास उपाध्याय, अनिता शर्मा, महामंत्री दीपक मिश्रा, शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीकुमार शंकर मेनन, ग्रामीण जिला अध्यक्ष राजेंद्र पणू बंजारे, पूर्व महापौर प्रमोद दुबे, एजाज डेवर, पूर्व महामंत्री पंकज शर्मा, संयुक्त महामंत्री अशोक राज आहुजा, पूर्व ग्रामीण जिला अध्यक्ष उधो राम वर्मा, नगर निगम नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी, शिव सिंह ठाकुर, बीरगांव के महापौर नंदलाल देवांगन, असंगठित क्षेत्र सम्प्रदाय निवारण प्रकोष्ठ के अध्यक्ष मोहम्मद सिद्दीक तथा धरसीवा ब्लॉक अध्यक्ष आशीष वर्मा सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

छत्तीसगढ़/राजधानी

प्रमुख समाचार

संत ज्ञानेश्वर स्कूल में शुरू हुआ कराते प्रशिक्षण



रायपुर। वातावरण में बढ़ती असुरक्षा के बीच बच्चों का आत्मरक्षा की बारीकियां सिखाना बेहद जरूरी है। महाराष्ट्र मंडल के संत ज्ञानेश्वर विद्यालय में बच्चों को अच्छी शिक्षा के साथ उत्तम संस्कार और बच्चों को कराते का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रतिदिन सुबह छह से सात बजे तक कराते शिक्षक मनीष बाघ बच्चों को ट्रेनिंग दे रहे हैं। प्राचार्य मनीष गोवर्धन ने बताया कि मनीष बाघ कई सालों से बच्चों को कराते प्रशिक्षण दे रहे हैं। कराते प्रशिक्षण शारीरिक फिटनेस, आत्मरक्षा और मानसिक संतुलन के लिए बेहतरीन है। कोई भी व्यक्ति इसे किसी भी उम्र में शुरू कर सकता है, लेकिन पांच- छह साल की उम्र इसके लिए सबसे उपयुक्त मानी जाती है। यह आपके शरीर का लचीलापन और मानसिक एकाग्रता बढ़ाता है। प्रशिक्षक मनीष के अनुसार कराते प्रशिक्षण लेने वालों के लिए शुरुआत के तीन चरणों में कर रहे हैं। प्रतिदिन सबसे पहले बच्चों को पांच मिनट शांत बैठायी जा रहा है। कराते में शारीरिक शक्ति से अधिक मानसिक एकाग्रता का महत्व है।

खरीफ फसलों की बीमा 31 जुलाई तक

रायपुर। छत्तीसगढ़ में खरीफ मौसम 2026 के दौरान किसानों को प्राकृतिक आपदाओं और मौसम की अनिश्चितता से बचाने के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत पंजीयन की प्रक्रिया 12 जुलाई 2026 से शुरू हो चुकी है। राज्य के कृषि विभाग ने सभी पात्र किसानों से अपील की है कि वे अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 का इंतजार किए बिना समय पर अपनी फसलों का बीमा करा लें। मौसम विभाग के अनुसार, इस साल एल नीनो के प्रभाव के कारण



प्रदेश में अनियमित या कम बारिश की संभावना बनी हुई है। ऐसी स्थिति में संभावित नुकसान से बचने के लिए फसल बीमा किसानों के लिए एक मजबूत सुरक्षा कवच साबित होगा। योजना के तहत राज्य के किसान निम्नलिखित फसलों का बीमा करा सकते हैं। धान (सिंचित एवं अंसिंचित), मक्का और सोयाबीन, दलहन व तिलहन में अरहर, मूंगफली, मूंग, उड़द, मोटे अनाज (मिलेट्स) में कोदो, कुटकी और रागी जैसे फसलों को अधिसूचित फसलों का बीमा करा सकते हैं। किसान अपने गांव में अधिसूचित फसल की सटीक जानकारी के लिए अपने क्षेत्रीय ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं।

सोशल मीडिया टीम गृह मंत्री अमित शाह से करेगी मुलाकात



रायपुर। छत्तीसगढ़ भाजपा की सोशल मीडिया टीम केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात करेगी। रायपुर एयरपोर्ट से भाजपा सोशल मीडिया टीम दिल्ली के लिए रवाना हो गई है। टीम की कल मंगलवार को दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात होगी। प्रदेश सोशल मीडिया संयोजक मितुल कोठारी, सह-संयोजक राकेश चंदाकर, गिरी चावला, रवि मिश्रा, तेजपाल शर्मा और दिनेश सुंदरानी इस टीम में शामिल हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सभी राज्यों की सोशल मीडिया टीमों को एक विशेष टास्क दिया था, जिसमें छत्तीसगढ़ भाजपा की सोशल मीडिया टीम पूरे देश में प्रथम स्थान पर रही। इस उपलब्धि पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने सोशल मीडिया टीम को बधाई दी है।

विशेष एचपीवी टीकाकरण सप्ताह शुरू

रायपुर। धमतरी जिले में बेटियों को सर्वाइकल (गर्भाशय ग्रीवा) कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी से सुरक्षित रखने के लिए एक बड़ी पहल की गई है। आज से 18 जुलाई तक विशेष एचपीवीटीकाकरण सप्ताह का आगाज हो गया है। इस महाअभियान के तहत 14 वर्ष की आयु की सभी पात्र बालिकाओं को स्वास्थ्य विभाग द्वारा निःशुल्क जीवनरक्षक एचपीवी टीका लगाया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग ने इसके लिए स्कूलों से लेकर स्वास्थ्य केंद्रों तक व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने अभियान की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि ह्यूमन पैपिलोमा वायरस संक्रमण ही सर्वाइकल कैंसर का मुख्य कारण है। उन्होंने कहा कि समय पर लगाया गया एचपीवी टीका इस गंभीर कैंसर से बचाव का सबसे सुरक्षित, प्रभावी और वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित माध्यम है। अभियान को शत-प्रतिशत सफल बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा शिक्षा विभाग मिलकर काम कर रहे हैं। जिला अस्पताल एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ?प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्र जिले के चिन्हित विद्यालय (स्कूल्स) और ?निर्धारित विशेष टीकाकरण सत्र स्थल पर निःशुल्क उपलब्ध होगा।

हज कमेटी अध्यक्ष ने सीएम को पेश किया ज़म ज़म और खजूरे

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी के माध्यम से हज 2026 के तहत हजयात्रा पर गए सभी हज यात्रियों की सकुशल वापसी और हजयात्रा के सफलतापूर्वक संपन्न होने पर आज यहां मुख्यमंत्री निवास में छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी के चेयरमैन मिर्जा एजाज़ बेग ने प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से सौजन्य भेंट कर

हजयात्रा का तबर्क (प्रसाद) पवित्र जल आब-ए-जम ज़म एवं खजूरे प्रदान किया। इस अवसर पर श्री बेग ने हज 2026 हेतु प्रदेश के हज यात्रियों के लिए की गई समुचित व्यवस्था के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं कैबिनेट मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल का आभार व्यक्त किया। श्री बेग ने मुख्यमंत्री को बताया कि हजयात्रा के दौरान प्रदेश के हज यात्रियों द्वारा देश एवं प्रदेश की तरक्की और खुशहाली के लिए भी विशेष रूप से दुआएं की गईं। उन्होंने बताया कि संपूर्ण हजयात्रा में राज्य के किसी भी हजयात्री को कोई परेशानी नहीं हुई। किसी प्रकार की अप्रिय घटना, दुर्घटना की भी कोई खबर नहीं मिली है। उन्होंने बताया कि अन्य वर्षों की तुलना में इस वर्ष सर्वाधिक 813 हज यात्रियों ने पवित्र हज की इबादत का सौभाग्य प्राप्त किया।

मंत्री रामविचार नेताम ने गिनाई आदिम जाति विकास विभाग की उपलब्धियां

शिक्षा, रोजगार और सांस्कृतिक संरक्षण पर सरकार का फोकस

रायपुर। छत्तीसगढ़ आदिम जाति विकास विभाग के मंत्री रामविचार नेताम ने प्रेस कांफ्रेंस में अपने विभाग की उपलब्धियां बताईं। मंत्री नेताम ने कहा, विभाग प्रदेश की अनुसूचित जनजातियों के शैक्षणिक तथा आर्थिक उन्नति के साथ-साथ उनके सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण, संवर्धन एवं सामाजिक न्याय प्रदान करने प्रतिबद्ध है। इसके अलावा विभाग इनकी शैक्षिक एवं आर्थिक उन्नति के लिए योजनाबद्ध तरीकों से अनेक योजनाओं का सतत् क्रियान्वयन कर रहा है। परिणामस्वरूप अनेक क्षेत्रों में आशातीत सफलताएं मिली हैं।

मंत्री नेताम ने कहा, प्रदेश में निवासरत 43 विभिन्न अनुसूचित जनजातियां एवं उनके उपसमूहों, जो कुल जनसंख्या का 30.62 प्रतिशत है, के लिए आदिम जाति विकास विभाग द्वारा अनेक अभिनव योजनाएं संचालित की जा रही हैं। प्रदेश में अनुसूचित



क्षेत्र 60 प्रतिशत से अधिक है तथा आदिवासी उपयोजना क्षेत्र 65 प्रतिशत से अधिक है। इन क्षेत्रों में अनुसूचित जनजातियों की जनसंख्या 50 प्रतिशत से अधिक है। अतः जनजाति समुदायों के शैक्षणिक उत्थान के साथ ही कोशल विकास, आजीविका स्वरोजगारमूलक योजनाओं तथा अधोसंरचना विकास के माध्यम से शैक्षणिक उन्नयन, आर्थिक आत्मनिर्भरता, सांस्कृतिक प्रोत्साहन तथा समावेशी विकास के साथ सामाजिक

समरसता स्थापित करना विभाग का लक्ष्य है। इसके लिए राज्य के आदिवासी अंचलों के शैक्षिक विकास, आर्थिक उत्थान एवं सांस्कृतिक प्रोत्साहन की दिशा में उल्लेखनीय प्रयास किए गए हैं।

जनजातीय प्रतिभाओं ने शिक्षा, खेल एवं आजीविका के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए जनजातीय बाहुल्य क्षेत्रों के विकास को नई दिशा प्रदान की है। आदिवासी उपयोजना के माध्यम से भी विभाग आदिवासी

क्षेत्रों का विकास के लिए कटिबद्ध है। आदिवासी उपयोजना क्षेत्रों तथा आदिवासी बाहुल्य जनसंख्या वाले क्षेत्रों में स्थानीय विकास व अधोसंरचना निर्माण के कार्यों को गतिशील करने के लिए राज्य में बस्तर विकास प्राधिकरण एवं सरगुजा विकास प्राधिकरण के साथ-साथ नवगठित मध्य क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण के माध्यम से अनुकरणीय प्रयास हुए हैं। उन्होंने कहा, अनुसूचित वर्गों की अस्मिता तथा सम्मान के प्रति विभाग प्रारंभ से ही सजग रहा है।

इसी के फलस्वरूप नवा रायपुर में छत्तीसगढ़ आदिवासी संग्रहालय एवं प्रदेश के स्वतंत्रता संग्राम में प्रदेश से अमर शहीद स्वतंत्रता सेनानी वीरनारायण सिंह की पावन स्मृति में प्रदेश के महान आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान को दर्शाने स्मारक सह संग्रहालय की स्थापना की गई है।

ग्रामों का सर्वेक्षण संपन्न, शेष क्षेत्रों में कार्य युद्धस्तर पर जारी

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य में राजस्व ग्राम सर्वेक्षण अभियान का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में भू-संपत्तियों का सटीक डिजिटल रिकॉर्ड (नक्शे) तैयार करना और नागरिकों को उनकी भूमि/मकान का कानूनी मालिकाना हक (स्वामित्व) प्रदान करना है। यह भूमि संबंधी विवादों को कम करने और योजनाओं के प्रभावी संचालन के लिए बेहद कारगर है। राजस्व विभाग ने प्रदेश के सभी 33 जिलों में फैले कुल 20 हजार 551 राजस्व ग्रामों में से 19 हजार 805 ग्रामों का विस्तृत सर्वेक्षण कार्य सफलतापूर्वक संपन्न कर लिया है। यह आंकड़ा राज्य में भूमि सुधार और डिजिटल गवर्नेंस की दिशा में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है।

19 हजार 805 ग्रामों का सर्वेक्षण पूर्ण

छत्तीसगढ़ राज्य में ग्रामीण विकास, भूमि प्रबंधन और पारदर्शी राजस्व प्रणाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संचालित राजस्व ग्राम सर्वेक्षण

अभियान बड़ी सफलता की ओर अग्रसर है। भूमि प्रबंधन और डिजिटल गवर्नेंस की दिशा में राज्य ने एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है, जिसके तहत प्रदेश के कुल लक्षित 20 हजार 551 राजस्व ग्रामों में से 19 हजार 805 ग्रामों का सर्वेक्षण कार्य सफलतापूर्वक संपन्न कर लिया गया है। वर्तमान में पूरे प्रदेश में केवल 746 ग्राम (3.63 प्रतिशत) ही असर्वेक्षित श्रेणी में शेष बचे हैं। इन शेष ग्रामों में भी विकास की प्रक्रिया तेजी से गतिमान है, जहाँ 371 ग्रामों में सर्वेक्षण का कार्य प्रक्रियाधीन है, वहीं केवल 375 ग्रामों में विभिन्न भौगोलिक व प्रशासनिक कारणों से सर्वेक्षण कार्य प्रारंभ किया जाना शेष है। मैदानी और विकसित क्षेत्रों में सर्वेक्षण का कार्य लगभग शत-प्रतिशत पूरा किया जा चुका है। रायपुर जिले में 545 ग्रामों का, महासमुंद्र जिले में 1153 ग्रामों का, राजनांदगांव जिले में 694 ग्रामों का सर्वेक्षण का कार्य लगभग शत-प्रतिशत पूरा किया जा चुका है।